शर्मा शार्डउवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 100 | गुवाहाटी | गुरुवार, 12 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मदर डेयरी और अमूल ने बढ़ाए दूध के दाम पेज 2

कामरूप में वन क्षेत्रों में रहने वाले 234 परिवारों को वन अधिकार अधिनियम... पेज 3

सोनिया गांधी की किताब ऑपरेशन ब्लू स्टार पर पर्दा डालने की कोशिश : ढिल्लों पेज 5

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, रविंद्र, डफी, कानवे... पेज 7

डिगारू में पटरी से उतरी कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस, हादसे में कई यात्री घायल

रेलवे ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर, कई स्टेशनों पर हेल्प डेस्क

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी के बाहरी इलाके डिगारू में बुधवार सुबह करीब 6:45 बजे ब्रेक फेल होने के कारण कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। हादसे में ट्रेन के पांच कोच और इंजन बेपटरी हो गए। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। उन्हें एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था की है। पूसीरे के अनुसार, लोको पायलट की सूझबूझ और त्वरित निर्णय से बड़ा रेल हादसा टल गया। बताया गया है कि दुर्घटनास्थल पर कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस को रुकने का सिग्नल मिला था, क्योंकि उसी ट्रैक पर सामने से शताब्दी एक्सप्रेस आ रही थी। इसी दौरान कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया। लोको पायलट ने तत्काल इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को लूप लाइन की ओर मोड़ने का निर्णय लिया गया। इसके बाद ट्रेन पटरी से उतर गई। इस बीच लोको पायलट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वह ट्रेन के ब्रेक के साथ -शेष पृष्ठ दो पर



रेलवे के साथ मिलकर काम कर रही राज्य सरकार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि डिगारू रेलवे स्टेशन पर कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के बाद राज्य सरकार रेल मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रही है। एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में, शर्मा ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं, जबकि चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सभी -शेष पृष्ठ दो पर

एनसीपी (एसपी) ने अश्विनी वैष्णव को *रील मिनिस्टर* कहा और इस्तीफे की मांग की

गुवाहाटी। असम में हुई एक रेल दुर्घटना के बाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरदचंद्र पवार ने बुधवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर तीखा हमला करते हुए उन पर रेल सुरक्षा की उपेक्षा करने और सोशल मीडिया पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। पार्टी के प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने आरोप लगाया कि ट्रेनों से जुड़ी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और उन्होंने रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के बजाय स्व-प्रचार को प्राथमिकता देने के लिए मंत्री की आलोचना की। वैष्णव को *दिखावटी मंत्री* बताते हुए क्रास्टो ने दावा किया कि मंत्री यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बजाय सोशल मीडिया पर सामग्री बनाने में अधिक रुचि रखते हैं। एनसीपी (एसपी) नेता ने तर्क दिया कि बार-बार होने वाली रेल दुर्घटनाओं ने सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता और रेलवे के समग्र प्रबंधन पर गंभीर -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव 2024 में वोटों की गिनती में गड़बड़ी के दावे भ्रामक

चुनाव आयोग ने आरोपों को किया खारिज



नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव और विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदान और मतगणना के दौरान वोटों की संख्या में अंतर होने के सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों को चुनाव आयोग ने भ्रामक करार दिया है। आयोग ने बुधवार को इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मतदान और मतगणना से संबंधित सभी आंकड़े आधिकारिक रूप से प्रकाशित किए जाते हैं और कोई भी व्यक्ति इन्हें आयोग की वेबसाइट पर देख सकता है। चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट जारी कर महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की कुछ विधानसभा सीटों से जुड़े दावों के स्क्रीनशॉट साझा किए। साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के आंकड़े पेश कर स्थिति स्पष्ट की। आयोग ने अपने बयान में कहा कि सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये 2024 के लोकसभा चुनाव और उसी वर्ष हुए विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में डाले गए वोटों और गिने गए वोटों के बीच विसंगतियां होने का दावा किया गया था। ये आरोप भ्रामक हैं और तथ्यों को सही तरीके से प्रस्तुत नहीं करते।

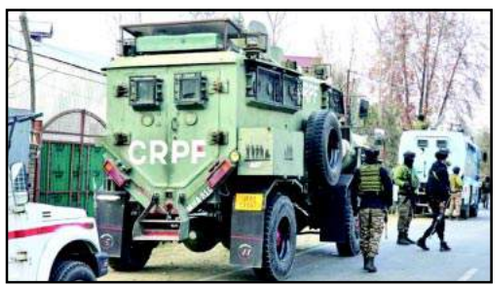
कैबिनेट : नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में *युगे युगीन भारत संग्रहालय* के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने बुधवार को नई दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक कॉम्प्लेक्स में *युगे युगीन भारत संग्रहालय* के निर्माण को मंजूरी दे दी। यह संग्रहालय भारत की सभ्यतागत विरासत की निरंतरता और विविधता को इसकी मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के एकीकृत विवरण के माध्यम से प्रदर्शित करेगा। परियोजना की लागत 3,230 करोड़ रुपए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय



मंत्रिमंडल ने आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक ऐतिहासिक सभ्यता संग्रहालय होगा। यह भारत की समृद्ध -शेष पृष्ठ दो पर

कुलगाम में सीआरपीएफ नाके पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में बुधवार को आतंकियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) नाके पर हमला कर दिया। हमले में तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में ताबड़तोड़ गोलीबारी होती दिख रही है। बताया जा रहा है कि 15 सेकेंड में 30 राउंड फायरिंग हुई है। आतंकी हमले के बाद जवानों ने भी कई राउंड फायरिंग की है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि मीर बाजार के पास अखरान स्थित चौकी पर बाइक सवार आतंकवादियों ने गोलीबारी की। पहले 15 सेकंड में 30 गोलियां दागी गईं। अगले एक मिनट के भीतर ही एक दर्जन और गोलियों की आवाज सुनाई देती है, साथ ही कैमरे के सामने छर्रे या छोटे पत्थर गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। हमले के बाद आतंकी भागने में कामयाब रहे। आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान चलाया है। -शेष पृष्ठ दो पर

अस्थिरता फैलाने के उद्देश्य से अल्फा (स्वा.) के नाम पर फर्जी जबरन वसूली पत्र भेजे गए : असम पुलिस

गुवाहाटी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने असम के चराईदेउ जिले में व्यापारियों को निशाना बनाकर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) के नाम पर फर्जी फिरौती पत्र प्रसारित करने वाले एक गिरोह की जांच शुरू कर दी है। चराईदेउ जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पनेसर ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कुछ *शरारती तत्व* कथित यूएलएफए पत्रों की स्कैन की हुई प्रतियों का इस्तेमाल व्यापारियों को धमकाने और दहशत फैलाने के लिए कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें ऐसे कुछ पत्र मिले हैं और हमारी प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि कुछ उपद्रवी जिले में स्थिति को अस्थिर करने और अपने निजी गैरकानूनी लाभ के लिए फर्जी पत्र फैला रहे हैं। पनेसर के अनुसार, पुलिस ने कुछ सुराग जुटाए हैं और इस रैकेट में कथित तौर पर शामिल लोगों के बारे में जानकारी इकट्ठा की है। अधिकारी ने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति सुनिश्चित करने के लिए इसमें शामिल लोगों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। खबरों के मुताबिक, फर्जी चिट्ठियों का निशाना कारोबारी समुदाय से जुड़े लोग हैं, जिनमें छोटे और मध्यम स्तर के व्यापारी भी -शेष पृष्ठ दो पर

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

सुप्रभात

कभी भी यह मत सोचो की तुम्हारे लिए, तुम्हारी आत्मा के लिए कुछ भी नामुमकिन है। यह सोच ही सबसे ज्यादा दुखदायी है।

- स्वामी विवेकानंद

आईएमडी ने असम और मिजोरम के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की



नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 11 नवंबर को जारी अपने मौसम पूर्वानुमान में असम और मिजोरम के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ-साथ पूर्वोत्तर के कई राज्यों में गरज और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, पूर्वानुमान के पहले दिन अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और मिजोरम के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की बहुत अधिक संभावना है। नगालैंड, मणिपुर और -शेष पृष्ठ दो पर

कांगो : कायरता के आरोप में 66 फौजियों को मौत की सजा



नई दिल्ली। युद्ध के मैदान में दुश्मन से मुकाबला करने के बजाय अगर कोई सैनिक अपनी पोस्ट छोड़कर भाग जाए तो उसे क्या सजा मिलनी चाहिए? अफ्रीकी देश कांगो में सेना ने इस सवाल का बेहद सख्त जवाब दिया है। यहां लड़ाई के दौरान मोर्चा छोड़कर भागने और आदेशों का पालन नहीं करने के आरोप में 66 सैनिकों को मौत की सजा सुनाई गई है। इस फैसले ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इन सैनिकों पर ऐसे समय में कार्रवाई हुई है, जब कांगो का पूर्वी इलाका लंबे समय से विद्रोही संगठनों के साथ संघर्ष का सामना कर रहा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक, उत्तरी किवू प्रांत के वालिकेल में 71 सैनिकों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया था। इनमें से 66 को मौत की सजा सुनाई गई, चार सैनिक बरी हो गए और एक को 10 साल जेल की -शेष पृष्ठ दो पर

"IN LOVING MEMORY"
Dr. Samridhi Krishna
Our Beloved
"Naina"



12-01-2000 - 12-11-2025
"Miss you beyond words,
love you beyond measure
and remember you every moment"

Wherever you are, stay happy always.
You will remain in our hearts forever.

K.K. Pandey (Papa), Anju Pandey (Mummy)
Bittu Bhaiya
All family members & friends

एक बरस

एक बरस बीत गए
तुम्हें हमसे बिछड़े हुए
अब तो यह सोंचकर
दिल को कुछ करार आता है
कि हकीकत न सही

ख्वाब में तो मिलती हो
जुबाँ से कुछ कह पाओ
या न कह पाओ लेकिन
मनमोहक मुस्कुराहट से
अपना हाल तो बताती हो
बस एक ही इल्तिजा है तुमसे
ख्वाब में आने का सिलसिला
बदस्तूर जारी रखना वरना
हम फिर से टूट जाएंगे

कृष्णा कान्त पाण्डेय
डी0आई0जी0,
सी0आर0पी0एफ0, राँची

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा में चुनाव से पहले ही भाजपा की 77 सीटों पर जीत

अगरतला। त्रिपुरा में नगर निकाय चुनाव से पहले ही भाजपा को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के 21 शहरी निकायों की कुल 345 सीटों में से 77 पर भाजपा उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज कर ली है। यह जीत मुख्य रूप से साउथ त्रिपुरा, पश्चिम त्रिपुरा और धलाई जिले के पांच नगर निकायों में -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को स्वास्थ्य संबंधी जांच के लिए दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को सुबह की सैर के दौरान बेहोश हो गए थे। कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

स्वच्छ सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश के नौ शहरों को राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

भोपाल (हि.स.)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में मध्य प्रदेश ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस वर्ष प्रदेश के नौ शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह देश के किसी भी राज्य के लिए सर्वाधिक संख्या है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में प्रदेश के इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, सागर, देवास, बुदनी और देपालपुर



को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, आयुक्त संकेत भोंडवे, मिशन संचालक शिशिर गेमावत सहित नगर निगम आयुक्त और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश की सफलता बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे और मध्यम शहरों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। स्वच्छ शहर जोड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

मदर डेयरी और अमूल ने बढ़ाए दूध के दाम



नई दिल्ली। दूध की आपूर्ति में कमी और खरीद लागत में बढ़ोतरी के बीच, मदर डेयरी और अमूल जैसे डेयरी ब्रांड 12 नवंबर से दूध की कीमतों में 2 से 6 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक, अलग-अलग तरह के दूध की कीमतों में अलग-अलग बढ़ोतरी होगी। टोंड दूध 2 रुपए प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध 4 रुपए प्रति लीटर और फुल क्रीम भैंस का दूध 6 रुपए प्रति लीटर महंगा हो जाएगा। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में, बल्क वेंडिंग मशीनों के जरिए मिलने वाले टोंड दूध की कीमत 58 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी। फुल क्रीम पैकेट वाले दूध की कीमत 72 रुपए से बढ़कर 76 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी, जबकि पैकेट वाले टोंड दूध की कीमत 60 रुपए से बढ़कर 62 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी। 6.5 प्रतिशत फैट वाले भैंस के फुल क्रीम दूध की कीमत 80 रुपए से बढ़कर 86 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी। मदर डेयरी डबल-टोंड दूध की कीमत भी 54 रुपए से बढ़ाकर 56 रुपए प्रति लीटर करेगी, जबकि गाय के दूध की कीमत 62 रुपए से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हो रही है जब आमतौर पर फ्लश सीजन (वह समय जब दूध का उत्पादन और उपलब्धता बेहतर होती है) के दौरान दूध की कीमतें स्थिर रहती हैं। हालांकि, मौजूदा हालात डेयरी सेक्टर में आपूर्ति की बढ़ती समस्याओं की ओर इशारा करते हैं। दूध की कमी के कारण पिछले कुछ महीनों में मिल्क फैट (दूध में मौजूद वसा) की कीमतों में भी लगभग 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे डेयरी उत्पादन की कुल लागत बढ़ गई है। पशु चारे की बढ़ती कीमतों ने डेयरी किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है। इस वजह से डेयरी कंपनियों को दूध की खरीद कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं, ताकि किसान ज्यादा दूध का उत्पादन करें और दूध का कलेक्शन बेहतर हो सके। सूत्रों के अनुसार, अमूल ने दूध में मौजूद फैट के आधार पर खरीद दर को बढ़ाकर 1,000 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया है, जिससे किसानों को दूध के लिए 60 रुपए प्रति लीटर से अधिक की कीमत मिल सकेगी। दूध की आपूर्ति की स्थिति ने दुधारू पशुओं की उत्पादकता को लेकर भी चिंताएं बढ़ा दी हैं। दूध की उपलब्धता में कमी आने से दूध में मौजूद फैट की उपलब्धता पर भी असर पड़ा है, जिससे डेयरी कंपनियों के लिए आपूर्ति बनाए रखना और अधिक महंगा हो गया है। जब ताजे

गरीबों और जनजातीय समाज के नेतृत्व को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर पा रही : धर्मेंद्र प्रधान

भुवनेश्वर (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान ने आरोप लगाते हुए कहा कि गरीबों और जनजातीय समाज से उभरने वाले नेतृत्व को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। बुधवार को अनुगोल में आयोजित *लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ* पदयात्रा में शामिल होने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर अराजकता, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र विरोधी रवैया और देश के विकास में बाधा डालने वाली मानसिकता का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की अराजकता और तुष्टीकरण की राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है। लगातार चुनावी पराजय के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता लोकतंत्र, निर्वाचन आयोग तथा संविधान के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। यह उनकी हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में वर्ष 1998 से लेकर 2024 तक हुए चुनावों में जनता ने लगातार कांग्रेस को नकारा है। गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में भी कांग्रेस का जनाधार कमजोर हुआ है। प्रधान ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक ताकत के कारण ही ओडिशा के एक जनजातीय परिवार में जन्मी द्रौपदी मुर्मु देश की राष्ट्रपति बनीं और एक साधारण चाय विक्रेता के बेटे नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे, लेकिन कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व और गांधी परिवार गरीबों तथा जनजातीय समाज से आने वाले नेतृत्व को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में बार-बार हार के बाद कांग्रेस के नेता जनादेश, संविधान और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने सोनिया गांधी की पुस्तक और उनके पूर्व के बयानों का उल्लेख किया। उन्होंने बाबरी ढांचे के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख तथा बाटला हाउस मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति को उसकी तुष्टीकरण की मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि देश की सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के बलिदान तथा सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाना कांग्रेस के देशविरोधी रवैये को उजागर करता है। भाजपा नेता ने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद जनता की सेवा करने के बजाय कुछ नेताओं ने शासन को अपने परिवार की जागीर समझ लिया था।

मुख्यमंत्री ने भातृ द्वितीया पर राज्यवासियों को दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को भातृ द्वितीया के पावन अवसर पर राज्य के सभी भाई-बहनों तथा असमवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि हमारी शाश्वत संस्कृति का यह पवित्र त्योहार भाई-बहन के बीच नि:स्वार्थ प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के बंधन को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि बहनों द्वारा अपने भाइयों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए की जाने वाली प्रार्थना हमारे सामाजिक जीवन में पारिवारिक मूल्यों के महत्व को दर्शाती है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कामना की कि भाई-बहन के रिश्ते का यह अनूठा बंधन प्रत्येक परिवार में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने सभी को भातृ द्वितीया की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अवध असम एक्सप्रेस में यात्री का बैग चोरी, रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज

जोरहाट (हिंस)। लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों के सामान की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जोरहाट के मरियानी से दिल्ली की यात्रा कर रहे जोरहाट के पत्रकार विनीत कुमार शर्मा उर्फ बंटी का बैग बिहार के मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर अवध असम एक्सप्रेस से चोरी हो गया। विनीत कुमार शर्मा के भाई सूरज शर्मा ने आज बताया कि विनीत गत 9 नवंबर को ट्रेन संख्या 15909 अवध असम एक्सप्रेस के जरिए मरियानी से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। वह ट्रेन के एसी टू-टियर कोच में सफर कर रहे थे। यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव के समय वह पानी की बोतल खरीदने के लिए कुछ देर के लिए अपने कोच से नीचे उतरे। इसी बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौके का फायदा उठाते हुए उनका बैग चोरी कर लिया। जब शर्मा पानी की बोतल लेकर वापस अपने कोच में पहुंचे तो बैग गायब देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बैग का कोई सुराग नहीं मिला।

आधी रात को अदियाला जेल से सीधे अस्पताल पहुंचे इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनकी आंख की समस्या के इलाज के लिए एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। मीडिया में बुधवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक 74 वर्षीय खान 2023 से जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार एवं हिंसा भड़काने से जुड़े आरोपों समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान ने इस साल जनवरी में दाईं आंख से दिखाई देने में परेशानी की शिकायत की थी, जिसके बाद से उनका इलाज किया जा रहा है। एक समाचार पत्र ने अस्पताल के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि खान को आंखों की जांच और आगे के इलाज के लिए पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान (पीआईएमएस) लाया गया था। पीआईएमएस के एक अधिकारी ने कहा कि इमरान अहमद खान नियाजी को उनका इलाज कर रहे नेत्र रोग विशेषज्ञ की सलाह पर चिकित्सकीय जांच और आंख के आगे के इलाज के लिए 10 और 11 नवंबर 2026 की दरमियानी रात रावलपिंडी की अदियाला जेल से इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान (पीआईएमएस) लाया गया था। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि उपचार की प्रक्रिया से पहले इमरान खान की चिकित्सकीय जांच की गई। उन्होंने कहा कि उनके महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतक सामान्य पाए गए।

ईरान ने दुनिया को दिखाई अपनी नई भूमिगत *मिसाइल सिटी*

तेहरान (हि.स.)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स ने एक नए भूमिगत *मिसाइल सिटी* का अनावरण किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस भूमिगत ठिकाने में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ उनके प्रक्षेपण तंत्र भी रखे गए हैं। समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के अनुसार, इस सुविधा के अनावरण के दौरान ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दोल्लाही और आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मूसवी मौजूद रहे। हालांकि, रिपोर्ट में इस भूमिगत ठिकाने के स्थान और वहां मौजूद मिसाइलों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। आईआरजीसी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल होसैन मोहेब्बी ने हाल ही में कहा था कि मिसाइलों और ड्रोन के निर्माण से जुड़ी सभी सुविधाओं को भूमिगत किया जाएगा। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट में नए *मिसाइल सिटी* की क्षमता, निर्माण और संचालन से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

पृष्ठ एक का शेष

डिगारू में पटरी से उतरी...

इमरजेंसी ब्रेक के भी काम नहीं करने की बात कहता सुनाई दे रहा है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, लोको पायलट की तत्परता से संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। यदि समय रहते निर्णय नहीं लिया जाता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। हादसा ऐसे स्थान पर हुआ, जहां आसपास कोई आबादी नहीं थी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य में तत्काल मदद की। रेलवे और पुलिस प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य तेज किया। रेलवे के अभियंता और कर्मचारी क्षतिग्रस्त ट्रैक एवं बिजली व्यवस्था की मरम्मत के साथ बेपटरी हुए कोच और इंजन को हटाने में जुटे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक, लामडिंग मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। रेलवे के अनुसार, अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है। पहले विभिन्न स्थानों पर रोकी गई ट्रेनों को भी आगे रवाना किया जा रहा है। हालांकि, दुर्घटना के कारण कुछ लोकल ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ का परिचालन बीच रास्ते तक सीमित कर दिया गया है। अंतिम सूचना मिलने तक राहत, बचाव और ट्रैक की मरम्मत का काम जारी था। उधर कोलकाता से मिजोरम (एजल) जा रही साइरंग एक्सप्रेस (13125) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यात्रियों के परिजनों की मदद और उन्हें सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने कई स्टेशनों पर तत्काल प्रभाव से हेल्प डेस्क स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इस ट्रेन में बंगाल के भी कई यात्री सवार थे, जिसके कारण उनके रिश्तेदारों में भारी चिंता का माहौल है। सियालदह स्टेशन के हेल्पलाइन नंबर 033-23833326 और 033-23509643 हैं। इसके अलावा उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार जंक्शन स्टेशन पर भी हेल्प डेस्क शुरू किया गया है, जिसके नंबर 9002052957, 9046226635, 03564-253498 (1072), 03564-270870 (1072), 03564-270871 (1072) और 03564-252498 (1072) हैं। असम के गुवाहाटी और लमडिंग में भी यात्रियों के परिजनों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। गुवाहाटी स्टेशन के हेल्पलाइन नंबर 0361-2731621, 0361-2731622 और 0361-2731623 हैं। वहीं, लमडिंग के हेल्पलाइन नंबर 03764-263858, 03764-265958 और 03764-263831 हैं। लमडिंग सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 03674-263268, 03764-265949 और 03674-265950 जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह कामरूप जिले के दिगारू स्टेशन के पास साइरंग एक्सप्रेस का इंजन और छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की खबर है। दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिया गया और रेलवे के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। दुर्घटना कैसे हुई, इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। , घायल यात्रियों को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई गई है। बाकी फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित भेजने और कुछ यात्रियों को वापस लाने के लिए वैकल्पिक विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार दोपहर सियालदह से भी एक विशेष ट्रेन असम के लिए रवाना की जा रही है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप ...

मिनटों तक अचेत रहने के बाद उन्हें उनके सुरक्षाकर्मियों द्वारा घर ले जाया गया। इसके बाद, एक चिकित्सा टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। हालांकि, उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें एम्बुलेंस द्वारा एम्स ले जाया गया। 75 वर्षीय पूर्व उपराष्ट्रपति को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है। वे वर्तमान में हृदय रोग विभाग के विशेषज्ञों की देखरेख में हैं, जहां उनकी चिकित्सा मूल्यांकन और उपचार जारी है। जगदीप धनखड़ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जुलाई 2025 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

रेलवे के साथ मिलकर...

यात्री सुरक्षित हैं। 4 लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें इलाज दिया जा रहा है। हम इस स्थिति को लेकर रेल मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि फंसे हुए सभी यात्रियों को जरूरी चीजें उपलब्ध करा दी गई हैं और उनकी आगे की यात्रा के लिए एक वैकल्पिक ट्रेन का इंतजाम किया गया है। उन्होंने कहा कि फंसे हुए सभी यात्रियों को जरूरी चीजें दे दी गई हैं और उनकी यात्रा के लिए एक वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था की गई है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 6:54 बजे हुई, जब गुवाहाटी से लगभग 44 किमी दूर डिगारू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नंबर 13125 कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस को एक दूसरी ट्रेन को रास्ता देने के लिए रोका जा रहा था। लोको पायलट द्वारा गति नियंत्रित न कर पाने के कारण इंजन और पांच कोच पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। फंसे हुए यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए एक विशेष ट्रेन मौके पर पहुंची। उन्हें पीने का पानी और खाने-पीने की चीजें भी उपलब्ध कराई गईं। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए गए, जबकि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बहाली के काम की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे। *अप* लाइन पर ट्रेनों का सामान्य परिचालन बहाल कर दिया गया है, और अब अप तथा *डाउन* दोनों लाइनों पर ट्रेनें सामान्य रूप से चल रही हैं। जो ट्रेनें पहले अलग-अलग जगहों पर रोक दी गई थीं, वे धीरे-धीरे अपनी यात्रा फिर से शुरू करेंगी। इस बीच, ट्रेन संख्या 15769 अलीपुरद्वार जंक्शन-मरियानी जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस को कामाख्या में ही रोक दिया गया (शॉर्ट-टर्मिनेट कर दिया गया), जबकि ट्रेन संख्या 75727 और 75728 (गुवाहाटी-हैबरगांव-गुवाहाटी) डीएम सेवाओं को रद्द कर दिया गया। यात्रियों की सहायता के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर हेल्पलाइन नंबर भी शुरू किए गए हैं।

एनसीपी (एसपी) ने अश्विनी...

सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकना मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हालांकि असम में हुई ट्रेन दुर्घटना में ज्यादा जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन क्रास्टो ने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर रेलवे प्रणाली के भीतर मजबूत सुरक्षा तंत्र और अधिक जवाबदेही की आवश्यकता को उजागर किया है। इस स्थिति के लिए राजनीतिक जिम्मेदारी की मांग करते हुए, एनसीपी (एसपी) के प्रवक्ता ने वैष्णव के इस्तीफे की मांग की और कहा कि रेलवे सुरक्षा में जनता का विश्वास केवल प्रचार-प्रसार वाली पहलों के बजाय ठोस कार्रवाई के माध्यम से ही बहाल किया जा सकता है। असम में हुई हालिया दुर्घटना के बाद रेल सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ने के बीच यह आलोचना सामने आई है, जिसमें विपक्षी दल रेलवे क्षेत्र के प्रबंधन और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र की तैयारियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।

कैबिनेट : नॉर्थ और साउथ...

और विविध सभ्यतागत विरासत को उसके मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के एकीकृत वर्णन के माध्यम से प्रदर्शित करता है। संग्रहालय को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक चरणों में विकसित किया जाएगा। एक समय में सत्ता का केंद्र रहे ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक भवनों का उनकी स्थापत्य शैली और विरासत महत्व को संरक्षित करते हुए अनुकूल रूप से पुन: उपयोग किया जाएगा। मंत्री के अनुसार भारत की सभ्यतागत यात्रा, सांस्कृतिक परंपराओं, ज्ञान प्रणालियों, कलात्मक प्रथाओं और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए क्यूरेटेड विषयगत दीर्घाएं और प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि 18 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युगे युगीन भारत संग्रहालय की स्थापना की घोषणा की थी। इसमें मौजूद सरकारी कार्यालयों का स्थानांतरण हो चुका है। इस प्रस्ताव का मूल्यांकन सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) ने 27 जुलाई 2026 को किया गया था और संस्कृति मंत्रालय ने इसकी सिफारिशों से सहमति व्यक्त की है।

कुलगाम में सीआरपीएफ ...

हालांकि, किसी आतंकी संगठन ने अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। माना जा रहा है कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा का हिट स्क्वाड कहे जाने वाले *द रजिस्टेंस फ्रंट टीआरएफ* के आतंकी लतीफ बट के मॉड्यूल ने किया है। सीआरपीएफ के बयान के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 2.15 बजे की है। घायल कर्मियों को इलाज के लिए अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी कुलगाम में ही थे, लेकिन हमले वाली जगह के पास नहीं थे। कुलगाम आतंकी हमले पर उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि 2019 के बाद भी कई हमले हुए हैं। जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्ज छीनने के बाद भी हमले नहीं रुक रहे हैं। पहलगाम से लेकर कुलगाम तक हमले ही हमले हुए हैं। डिप्टी सीएम ने भाजपा की केंद्र सरकार पर कई सवाल उठाए हैं। भाजपा नेता रविंदर रैना ने कहा कि कुलगाम में सीआरपीएफ गश्ती दल को निशाना बनाकर आतंकवादियों द्वारा किया गया हमला कश्मीर की स्थिति को बिगाड़ने का एक और प्रयास और साजिश है। यह कश्मीर के खिलाफ साजिश है।

अस्थिरता फैलाने के उद्देश्य ...

शामिल हैं। पुलिस इन चिट्ठियों के पैटर्न और विषयवस्तु की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या एक ही गिरोह कई घटनाओं के पीछे है। पनेसर ने कहा कि अधिकारी असम-नगालैंड सीमा से लगे क्षेत्रों सहित अल्फा और अन्य विद्रोही समूहों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान जारी हैं और हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। फिलहाल, जिले में हुई इन घटनाओं में किसी सक्रिय अल्फा सदस्य के शामिल होने का कोई संकेत नहीं है, अधिकारी ने कहा। पनेसर ने जोर देकर कहा कि फिरौती के पत्र एक आपराधिक साजिश का हिस्सा प्रतीत होते हैं, जिसका उद्देश्य विद्रोही संगठन के नाम का दुरुपयोग करके निजी लाभ कमाना है। उन्होंने कारोबारी समुदाय और आम जनता से आग्रह किया कि वे घबराएं नहीं और यदि उन्हें कोई संदिग्ध पत्र या फिरौती की मांग मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और फर्जी पत्र फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईएमडी ने असम और ...

त्रिपुरा में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने असम और मिजोरम में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी कुछ स्थानों पर बिजली गिरने के साथ-साथ गरज के साथ बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि मेघालय में छिटपुट स्थानों पर बिजली गिरने और ओलावृष्टि के साथ गरज के साथ बारिश हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में पूरे क्षेत्र में मौसम की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। दूसरे दिन, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। असम और मेघालय में भी कुछ स्थानों पर हल्का से मध्यम कोहरा छाने की आशंका है। तीसरे दिन अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा में शुष्क मौसम रहने की संभावना है, जबकि असम और मेघालय के कुछ अलग-थलग स्थानों पर हल्की से मध्यम धुंध छाई रह सकती है। चौथे दिन, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। पांचवें दिन अरुणाचल प्रदेश और असम में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने दूसरे दिन से लेकर पांचवें दिन तक इस क्षेत्र के लिए कोई मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की है। मौसम विभाग ने लोगों को आधिकारिक मौसम संबंधी अपडेट और पूर्वानुमानों का पालन करने की सलाह दी है। विस्तृत जानकारी गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कांगो : कायरता के ...

सजा मिली। सेना का कहना है कि इस कार्रवाई का मकसद सैनिकों के बीच अनुशासन बनाए रखना और विद्रोही समूहों के खिलाफ अभियान को मजबूत करना है। रिपोर्टों के मुताबिक, इन सैनिकों को 20 अक्तूबर को उत्तरी किवू प्रांत के वालिकेल में गिरफ्तार किया गया था। इन पर आरोप था कि विद्रोही संगठन एफआरएन के लड़ाकों के साथ मुठभेड़ के दौरान इन्होंने अपनी तैनाती वाली जगह छोड़ दी और मैदान से भाग गए। सैनिकों पर कायरता दिखाने, विद्रोह करने और सेना के आदेशों का पालन नहीं करने जैसे आरोप लगाए गए। इसके बाद 71 सैनिकों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया। सुनवाई के बाद 66 को मौत की सजा सुनाई गई। वहीं, चार सैनिकों को बरी कर दिया गया और एक को 10 साल जेल में रहने का आदेश दिया गया। कांगो का पूर्वी हिस्सा लंबे समय से हिंसा और संघर्ष की चपेट में है। यहां सरकारी सेना को कई सशस्त्र विद्रोही संगठनों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें एम23 भी शामिल है, जो एफआरएन नाम के विद्रोही गठबंधन का हिस्सा बताया गया है। कांगो की सेना का कहना है कि सैनिकों के बीच अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी है। हालांकि, सेना पहले से ही मिसमैनेजमेंट और अनुशासन की कमी के आरोपों का सामना कर रही है। कई सैनिक कम वेतन और हथियारों समेत जरूरी सुविधाओं की कमी की शिकायत भी कर चुके हैं। कांगो सरकार लगातार पड़ोसी देश रवांडा पर एम23 विद्रोहियों की मदद करने का आरोप लगाती रही है। हालांकि, रवांडा और एम23 दोनों इन आरोपों से इनकार करते हैं। कांगो में सैनिकों के खिलाफ ये पहली बड़ी कार्रवाई नहीं है। रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले महीने भी 27 सैनिकों को इसी तरह के आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई थी। उन पर भी विद्रोहियों के साथ लड़ाई के दौरान अग्रिम मोर्चा छोड़कर भागने का आरोप लगा था। दरअसल, कांगो सरकार ने मार्च 2024 में करीब 20 साल से लागू मृत्युदंड पर रोक हटा दी थी। सरकार का कहना था कि सेना में मौजूद देशद्रोहियों और विद्रोह में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। इसके बाद राजद्रोह, युद्ध अपराध और सशस्त्र विद्रोही समूहों में शामिल होने जैसे मामलों में भी मौत की सजा का प्रावधान लागू किया गया। फ्रांसीसी प्रसारक आरएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से अब तक कांगो में कम से कम 507 सैनिकों को अलग-अलग अपराधों में दोषी ठहराया गया है। इनमें से 381 सैनिकों को मौत की सजा सुनाई गई है। इस सूची में कांगो के पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ काबिला का नाम भी शामिल है। उन्हें अक्तूबर 2025 में उनकी गैरमौजूदगी में युद्ध अपराध और राजद्रोह समेत कई आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया था और अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए पेश नहीं हुए थे।

स्वच्छ सर्वेक्षण में ...

(मेंटर-मेंटी) मॉडल नवाचार की मिसाल बनकर उभरा है। इस श्रेणी में इंदौर (मेंटर) और देपालपुर (मेंटी) की जोड़ी ने दूसरा स्थान हासिल किया। लगातार नौवीं बार राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाले इंदौर ने मेंटर और देपालपुर ने मेंटी के रूप में काम किया। इंदौर के मार्गदर्शन में देपालपुर ने शत-प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण, चार श्रेणियों में स्रोत पर कचरे का पृथक्करण और लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक उपचार कर भूमि को दोबारा उपयोग योग्य बनाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इससे बहुमूल्य भूमि को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त कराने में मदद मिली। **इंदौर (स्वच्छ शहर जोड़ी-मेंटर, रैंक-2):** लगातार नौवें स्वच्छ सर्वेक्षण चक्र में राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता कायम रखी है। शहर में *स्वच्छ वार्ड रैंकिंग* अभियान के माध्यम से वार्ड स्तर पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित की गई। इसके साथ ही 29 प्रमुख बाजारों को *जीरो वेस्ट मार्केट* के रूप में विकसित किया गया। 15 आरआरआर केंद्र, आईओटी आधारित शौचालय निगरानी, बायो-सीएनजी संयंत्र की क्षमता विस्तार और ग्रीन वेस्ट पेलेट प्लांट जैसे नवाचारों से शहर ने स्वच्छता प्रबंधन के नए मानक स्थापित किए हैं। **देपालपुर (स्वच्छ शहर जोड़ी-मेंटी, रैंक-2):** इंदौर के मार्गदर्शन में देपालपुर ने छोटे नगरीय निकायों के लिए क्षमता हस्तांतरण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। निकाय ने शत-प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण और चार श्रेणियों में स्रोत पर कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित किया। साथ ही लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक उपचार कर बहुमूल्य भूमि को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त कराया। **जबलपुर (स्वच्छ शहर रैंक-2, 10 लाख से अधिक जनसंख्या वर्ग):** जबलपुर ने संस्थागत स्वच्छता प्रबंधन और वेस्ट-टू-एनर्जी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नगर निगम का 11.5 मेगावाट क्षमता वाला वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट पूरी क्षमता से संचालित हो रहा है। *बैकलेन से बेस्टलेन* अभियान के तहत 150 से अधिक पिछली गलियों का कायाकल्प किया गया है। वहीं, 491 जीपीएस युक्त वाहनों के माध्यम से प्रतिदिन करीब 550 टन कचरे का संग्रहण और निगरानी की जा रही है। **उज्जैन (स्वच्छ शहर रैंक-1, 3 लाख से 10 लाख जनसंख्या वर्ग):** धार्मिक नगरी उज्जैन ने स्वच्छता का अभिनव मॉडल प्रस्तुत किया है। शहर के सभी 54 वार्डों में शत-प्रतिशत कचरा पृथक्करण सुनिश्चित किया गया है। धार्मिक स्थलों से एकत्रित फूलों से धूप-अगरबत्ती और घाटों पर छोड़े गए वस्त्रों से पेपर बैग बनाए जा रहे हैं। *मां क्षिप्रा कवच* टीम नदियों और घाटों की स्वच्छता सुनिश्चित कर रही है। इससे सिंहस्थ-2028 के लिए जीरो वेस्ट आयोजन की मजबूत नींव तैयार हुई है। **देवास (स्वच्छ शहर रैंक-1, 50 हजार से 3 लाख जनसंख्या वर्

कामरूप में वन क्षेत्रों में रहने वाले 234 परिवारों को *वन अधिकार अधिनियम* के तहत मिले भूमि अधिकार

जनजातीय गौरव पखवाड़ा के दौरान प्रभारी मंत्री अजंता नेओग ने लाभार्थियों को सौंपे अधिकार पत्र



कामरूप (हिंस)। वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के पारंपरिक अधिकारों को मान्यता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कामरूप जिले के 234 लाभार्थियों को *वन अधिकार अधिनियम, 2006* के तहत भूमि अधिकार पत्र (टाइटल डीड) सौंपे गए। यह वितरण बुधवार को *जनजातीय गौरव पखवाड़ा* के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। कामरूप की प्रभारी मंत्री अजंता नेओग ने अमीनगांव स्थित *एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय* के कांफ्रेंस हॉल में लाभार्थियों को औपचारिक रूप से ये अधिकार पत्र सौंपे। *वन अधिकार अधिनियम* को आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के अधिकारों और आजीविका को सुरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण साधन बताते हुए, मंत्री ने कहा कि यह कानून केवल भूमि अधिकारों को मान्यता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो पारंपरिक रूप से वनों पर निर्भर हैं। उन्होंने सरकार की इस प्रतिबद्धता को दोहराया कि हर पात्र लाभार्थी को उसका हक मिलना चाहिए। साथ ही, उन्होंने संबंधित विभागों और अधिकारियों से वन अधिकारों को मान्यता देने और अधिकार पत्र बांटने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा कि ताकि लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटारा हो सके। इससे पहले, जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में इस अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने पात्र लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें उनके अधिकार दिलाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल होना जरूरी है। इस कार्यक्रम में हाजो-सुआलकुची के विधायक प्रकाश चंद्र दास और बोको-छयगांव के विधायक राजू मेस शामिल हुए। इनके अलावा, अतिरिक्त जिला आयुक्त विश्वजीत सैकिया और प्रांजित कुमार देब, रंगिया के सह-जिला आयुक्त नबजीत पाठक, पलाशबाड़ी के सह-जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता और बोको-छयगांव के सह-जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज भी उपस्थित थे। लाभार्थियों के साथ-साथ, सर्कल अधिकारी, कामरूप वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी, जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारी, तथा संबंधित वन अधिकार समितियों के अध्यक्ष और सचिव भी वहां मौजूद थे। दिन में इससे पहले, गार्जियन मंत्री ने आईडीबीआई बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत बनाए गए *कामरूप प्रशिक्षण-सह-सेमिनार हॉल* का उद्घाटन भी किया।

श्मशान आधुनिकीकरण के लिए केंद्रीय मंत्री मार्घेरिटा ने की एक करोड़ के अनुदान की घोषणा



जोरहाट (हिंस)। जोरहाट में आज आयोजित कार्यक्रम में जोरहाट तराजन श्मशान के आधुनिकीकरण के लिए केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने अपने सांसद विकास निधि से एक करोड़ रुपए के अनुदान की घोषणा की। साथ ही उन्होंने औपचारिक रूप से घोषणा की कि गोलाघाट जिले के देरगांव से शिवसागर जिले के जांजी तक और जोरहाट जिले के एक विस्तृत क्षेत्र को लाभान्वित करने वाले इस तराजन श्मशान के विकास के लिए वे अन्य स्रोतों से भी एक करोड़ रुपए और उपलब्ध कराएंगे। उल्लेखनीय है कि जोरहाट नागरिक समाज के तत्वावधान में श्रीमंत शंकरदेव कला-कृष्ण अनुसंधान केंद्र के सभागार में आयोजित *गणतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ* शीर्षक संगोष्ठी में भाग लेने आए केंद्रीय मंत्री ने संगोष्ठी में अपना संबोधन देने से ठीक पहले यह घोषणा की। उल्लेखनीय है कि गोलाघाट, शिवसागर और जोरहाट जिले का विस्तृत क्षेत्र इस श्मशान पर निर्भर है। मंत्री की इस घोषणा से लोगों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता पूरी होगी। आयोजन समिति के मीडिया सेल के संयोजक देबोजित हजारिका ने बताया कि जोरहाट के वरिष्ठ नागरिक पार्थ सारथी बरुवा की अध्यक्षता में आयोजित *गणतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ* संगोष्ठी में केंद्रीय मंत्री के अलावा जोरहाट के विधायक हितेन्द्र नाथ गोस्वामी, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष शांतनु पूजारी, पूर्व जिला अध्यक्ष कामाख्या मोहन दास सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डिगारू ट्रेन हादसे की होगी उचित जांच : पूसीरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के डिगारू रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अतिरिक्त महाप्रबंधक रमेश कुमार ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि इस घटना की उचित जांच कराई जाएगी, ताकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। रमेश कुमार ने कहा कि रेलवे प्रशासन घटना को गंभीरता से ले रहा है और पूरे मामले की जांच की जाएगी। जांच के दौरान दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा तथा निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह करीब 6-54 बजे ट्रेन संख्या 13125 कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस गुवाहाटी से लगभग 44 किलोमीटर दूर डिगारू रेलवे स्टेशन पर दूसरी ट्रेन को प्राथमिकता देने के लिए प्रवेश कर रही थी। इसी दौरान ट्रेन का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए थे। रेलवे प्रशासन के अनुसार, हादसे में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

एमएसी चुनावों के लिए 268 और एसकेएसी चुनावों के लिए 163 उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

गुवाहाटी (हिंस)। मिसिंग स्वायत्त परिषद (एमएसी) और सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद (एसकेएसी) के लिए 30 नवंबर को होने वाले चुनावों के वास्ते नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 10 नवंबर को पूरी हो गई। मिसिंग स्वायत्त परिषद के 40 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 268 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इसी तरह, सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद के 32 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 163 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। ज्ञात हो कि, मिसिंग स्वायत्त परिषद चुनावों में कुल 6,35,493 मतदाता 40 निर्वाचन क्षेत्रों में बने 1,032 मतदान केंद्रों के जरिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इन 40 निर्वाचन क्षेत्रों में से 28 अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों के लिए और 7 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, जबकि 5 निर्वाचन क्षेत्र सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए खुले हैं। इसी तरह, सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद चुनावों में कुल 1,63,966 मतदाता 32 निर्वाचन क्षेत्रों में बने 337 मतदान केंद्रों के जरिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 25 निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों के लिए और 6 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, जबकि 1 निर्वाचन क्षेत्र सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए खुला है। गौरतलब है कि दोनों स्वायत्त परिषदों में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से, असम राज्य चुनाव आयोग ने कुल 45 चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। इसके अलावा, आयोग ने चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अधिकतम चुनावी खर्च की सीमा 2 लाख रुपए तय की है।

रंगिया : फर्जी सील-मुहर बनाने का अड्डा पकड़ाया

रंगिया (विभास)। रंगिया राजस्व चक्र अधिकारी के कार्यालय को किस प्रकार लंबे समय से कुछ दुष्ट चक्रों द्वारा अनियमितता और भ्रष्टाचार के अड्डे के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है, इसकी एक भयावह तस्वीर फिर से सामने आई है। जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार करने के नाम पर चल रहे इस कुख्यात धोखाधड़ी गिरोह के मुख्य आरोपी ऐदुल इस्लाम की गिरफ्तारी के बाद पूरे इलाके में भारी सनसनी फैल गई है। रंगिया के सह-जिला आयुक्त नवजीत पाठक की विशेष सक्रियता और पुलिस के सहयोग से इस कुख्यात दलाल के पकड़े जाने के बाद उसके आवास तथा विभिन्न स्थानों पर चलाए गए अभियानों में भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्रियां जब्त की गईं। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति के कब्जे से लगभग 169 फर्जी मुहर और भूमि के कई जाली दस्तावेज जब्त किए गए हैं। यह गिरोह चक्र अधिकारी के साथ-साथ अन्य कई महत्वपूर्ण अधिकारियों, दंडाधिकारियों और कुछ उप-पंजीयकों की मुहरों को जाली बनाकर फर्जी जमीन के दस्तावेज तैयार कर रहा था। इस धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए वर्तमान में अन्य संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ भी कानूनी प्रक्रिया जारी रखी है। इसके हिस्से के रूप में प्रशासन ने फर्जी मुहर तैयार करने वाले मुख्य अड्डे पर अभियान चलाकर



गिरोह के एक अन्य महत्वपूर्ण ठिकाने को सील कर दिया है। रंगिया एल.आई.सी. कार्यालय के समीप स्थित मृदुल अली की दुकान पर पुलिस और कार्यकारी दंडाधिकारी की उपस्थिति में प्रशासन ने ताला तोड़कर तलाशी ली। उक्त दुकान से प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण फर्जी दस्तावेजों के साथ-साथ मुहरें और कंप्यूटर सामग्री जब्त की। रंगिया चक्र अधिकारी कार्यालय के कुछ असामाजिक तत्वों/भ्रष्ट लोगों के संरक्षण में चल रहे इस फर्जी दस्तावेज और मुहर निर्माण के बड़े नेटवर्क के उखड़ने के बाद, जांच के दायरे में और किस-किस का नाम आता है, इसको लेकर अब पूरे क्षेत्र में भारी चर्चा चल रही है। पुलिस इस पूरी घटना के संबंध में विस्तृत जांच कर रही है।

एसएसबी ने आयोजित किया पशु चिकित्सा नागरिक कल्याण कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल के *एफ* समवाय ने गोलाघाट के अपने कार्यक्षेत्र अंतर्गत हलमीरा में बुधवार को पशु चिकित्सा नागरिक कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया। गुवाहाटी के सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन डॉ. ई चौबा सिंह, कमांडेंट (पशु चिकित्सा) द्वारा किया गया। इस अवसर पर आई इम्फी जमीर, सहायक कमांडेंट एवं समवाय प्रभारी, *एफ* समवाय द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं एसएसबी द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कुल 129 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 46 ग्रामीण पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, उचित देखभाल एवं पशु चिकित्सा संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने एसएसबी द्वारा आयोजित इस जनकल्याणकारी कार्यक्रम की सराहना करते हुए वाहिनी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर द्वारा सीमावर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर इस तरह के नागरिक कल्याण कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय जनता को आवश्यक सहायता एवं सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे एसएसबी और स्थानीय नागरिकों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं सौहार्दपूर्ण संबंध और अधिक सुदृढ़ हो रहे हैं।

खेत्री के उलनी में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुए सड़क हादसे में एक की मौत

कामरूप (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में खेत्री थानांतर्गत उलनी में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर बुधवार को एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि वायु सेना की स्कॉर्पियो वाहन ठोकर से खेत्री थाना अंतर्गत उत्तर डिमोरिया निवासी अनिल दास (61) की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, घर से निकलकर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 को पार करने के दौरान यह दुखद दुर्घटना हुई। उस समय नगांव की ओर जा रहे वायु सेना की स्कॉर्पियो वाहन (19बी 132726पी) ने अनिल दास को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कारण अनिल दास गंभीर रूप से घायल हो गए।

ग्वालपाड़ा में बिजली गिरने से किशोर की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले में आज सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक किशोर की मौत हो गई। इस बीच, राज्य के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तूफान के दौरान जिले के कुमोरी इलाके में अताबुल इस्लाम (19) नामक किशोर पर बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। बताया गया है कि वह अपनी नाव के ऊपरी हिस्से पर बैठकर मछली पकड़ रहा था। उधर, राज्य के विभिन्न हिस्सों में अचानक मौसम खराब होने से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बारिश हुई। कई स्थानों पर तूफानी हवाओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित होने की खबरें हैं। खराब मौसम के चलते पेड़ों, मकानों और बिजली के बुनियादी ढांचे को संभावित नुकसान की आशंका जताई गई है।

धुबड़ी में खेल महारण 3-0 का शुभारंभ आज से

धुबड़ी (विभास)। असम सरकार के तत्वाधान में आयोजित किए जा रहे हैं खेल महारण 3.0 की धुबड़ी जिले की ग्राम पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता आगामी 12 नवंबर 2026 से आयोजित होगी इस उपलक्ष में उक्त दिन सुबह 10 से हालकूड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में प्रतियोगिताओं का शुभारंभ समारोह आयोजित किया जाएगा उक्त इस समारोह में असम सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिकता, भूमि संरक्षण तथा अल्पसंख्यक कल्याण और विकास विभाग के माननीय मंत्री अश्वनी राय सरकार प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करेंग।

इंग्लैंड-ए के खिलाफ मल्टी-डे मैच के लिए इंडिया-ए महिला टीम में उमा छेत्री चयनित

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि असम की उमा छेत्री को इंग्लैंडए के खिलाफ होने वाले मल्टी-डे मैच के लिए इंडियाए महिला टीम में चुना गया है। 19 दिसंबर 2026 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मैच के लिए, उमा को टीम में विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। उनका यह चयन असम क्रिकेट के लिए एक और अहम उपलब्धि है, जो उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और लगातार अच्छे प्रदर्शन को दर्शाता है। असम क्रिकेट एसोसिएशन, उमा छेत्री को इस शानदार उपलब्धि के लिए



बधाई देता है और इंडियाए के साथ उनके आगामी सफर के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है।

प्रदेश भाजपा ने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और उनकी अमर विरासत को किया नमन

गुवाहाटी (हिंस)। *जनजातीय गौरव दिवस 2026* के उपलक्ष्य में 1 नवंबर से पखवाड़े भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इन कार्यक्रमों का समापन 15 नवंबर को होगा, जो भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। भगवान बिरसा मुंडा को देश भर के आदिवासी समुदायों द्वारा एक दिव्य व्यक्तित्व के रूप में सम्मान दिया जाता है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय, *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हरेन सिंह बे ने कहा कि किसी व्यक्ति की महानता उसके जीवन की अवधि से नहीं, बल्कि उसके कार्यों की विशालता और उसके योगदान के स्थायी प्रभाव से मापी जाती है। हालांकि, भगवान बिरसा मुंडा केवल 25 वर्ष तक जीवित रहे, लेकिन उनके संघर्ष और बलिदान की असाधारण विरासत ने उन्हें मुंडा समुदाय और व्यापक आदिवासी आबादी के बीच एक सम्मानित आध्यात्मिक और क्रांतिकारी प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिया। उन्होंने बिरसा मुंडा विभिन्न व्यक्तित्व की व्याख्या की। उनके बलिदान की विरासत और उनके आंदोलन से जुड़ा ऐतिहासिक आदिवासी प्रतिरोध, मूल निवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए व्यापक संघर्ष का हिस्सा बना। इसी के परिणामस्वरूप *छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908* लागू हुआ, जिसने आदिवासी भूमि के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान की। हरेन सिंह बे ने अनुसूचित जनजातियों के सर्वांगीण विकास और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने *एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों* और *वन धन विकास केंद्रों* जैसी कई महत्वपूर्ण पहलों का उल्लेख किया। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए, हरेन सिंह बे ने 1 से 15 नवंबर तक चले पखवाड़े के दौरान राज्य सरकार द्वारा की गई महत्वपूर्ण पहलों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि *वन अधिकार अधिनियम, 2006* के तहत छायगांव में 4,673 जनजातीय परिवारों को भूमि के अधिकार पत्र (लैंड टाइटल) बांटे गए। *मिशन बसुंधरा* के पहले चरण में 1.5 लाख से अधिक परिवारों को भूमि के अधिकार पत्र मिले, और जनजातीय परिवारों के लिए भूमि रखने की अधिकतम सीमा को 7 बीघा 1 कट्ठा से बढ़ाकर 50 बीघा कर दिया गया।

रंगिया में भाई-दूज का उत्साह भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का अनूठा पर्व

रंगिया (विभास)। रंग-बिरंगे दीपोत्सव के उल्लासपूर्ण माहौल के बाद आज रंगिया में भाई-बहन के प्रेम और अटूट विश्वास के प्रतीक पर्व *भाई-दूज* को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर के हर घर में आनंदमय और आत्मीयता से परिपूर्ण माहौल नजर आया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार, बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य, प्रगति और सर्वांगीण कल्याण की मंगल कामना की। इस पावन अवसर पर दीया प्रज्ज्वलित कर, चंदन और अक्षत अर्पित करने, मुंह मीठा कराने तथा उपहारों के आदान-प्रदान के साथ भाई-बहन ने अपने पवित्र रिश्ते को और अधिक प्रगाढ़ किया। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी तिथि पर देवराज यमराज अपनी बहन यमुना के घर पधारे थे और उनका आतिथ्य स्वीकार किया था। इसी ऐतिहासिक एवं धार्मिक परंपरा की स्मृति में यह त्योहार मनाया जाता है। रंगिया के सामाजिक जीवन में इस सांस्कृतिक रीति-रिवाजों की जीवंत मिसाल देखने को मिली। व्यस्त दिनचर्या और दूर-दराज पढ़ाई या नौकरी के सिलसिले में रहने वाले



भाई-बहन भी इस विशेष दिन पर अपने घर लौटे और परिवार के साथ इस पर्व का आनंद लिया। भाई-दूज के इस पावन अवसर पर रंगिया के मुख्य बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में खरीदारों की भारी भीड़ देखी गई। विशेष तौर पर मिष्ठान भंडारों, उपहार केंद्रों और वस्त्र प्रतिष्ठानों पर ग्राहकों की सक्रिय उपस्थिति से पूरे शहर में एक जीवंत और उत्सवी माहौल बना रहा। ऐसे पारंपरिक पर्व समाज में आपसी सौहार्द, शांति और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गोर्खा समाज का भव्य *शरद मिलन समारोह* में होजाई के वरिष्ठ पत्रकार लछमन शर्मा सम्मानित

होजाई (निसं)। असम के होजाई के शिवबाड़ी रोड स्थित श्री श्री सत्य नारायण मंदिर में गोर्खा समाज की पहल पर एक भव्य *शरद मिलन समारोह* का आयोजन गत दिनों किया गया। इस सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्धजनों, वरिष्ठ नागरिकों और विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया गया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार लछमन शर्मा को उनके उल्लेखनीय पत्रकारिता योगदान के लिए सम्मानित किया गया। गोरतलब है, मिलिक बस्ती निवासी स्वर्गीय परशुराम शर्मा व मनोमाया देवी के सुपुत्र लछमन शर्मा वर्ष 1999 से पत्रकारिता के क्षेत्र में



सक्रिय हैं। वे लंबे समय से पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में वे प्रतिष्ठित समाचार चैनल *प्राग न्यूज* और *एन-ई न्यूज* में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अपने दो दशकों से अधिक लंबे करियर में उन्होंने विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करते हुए हमेशा तथ्यात्मक, संतुलित और सत्य पर आधारित पत्रकारिता को प्राथमिकता दी है, जिसके चलते उन्हें समाज में व्यापक आदर और स्नेह प्राप्त है।।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 5.0

विशेष *स्पर्श* आउटरीच कार्यक्रम और शिकायत निवारण शिविर आयोजित

गुवाहाटी। कंट्रोलर ऑफ डिफेंस अकाउंट्स गुवाहाटी का कार्यालय, रक्षा पेंशनभोगियों की सहायता के लिए एक विशेष आउटरीच अभियान आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य पेंशनभोगियों को *जीवन प्रमाण* पोर्टल के माध्यम से अपना वार्षिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) आसानी से और समय पर जमा करने में मदद करना है। वार्षिक पहचान प्रक्रिया के अलावा, इस पहल के माध्यम से पेंशनभोगी अपनी पेंशन से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सीधे विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। जिन रक्षा पेंशनभोगियों को तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है या जिनकी शिकायतें अभी तक हल नहीं हुई हैं, उनसे विशेष रूप से आग्रह है कि वे इस शिविर में आएं और मौके पर ही सहायता प्राप्त करें।

संपादकीय

ट्रम्प की मनमानी पर 'जनादेश'

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को लगा करारा झटका न केवल वाशिंगटन की सत्ता-संरचना, बल्कि वैश्विक कूटनीति के फलक पर भी एक निर्णायक मोड़ है। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- प्रतिनिधि सभा और सीनेट में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत हासिल करना स्पष्ट करता है कि अमेरिका की जनता ने ट्रम्प के निरंकुश और आक्रामक तौर-तरीकों को सिरे से खारिज कर दिया है। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के जिस नारे और लोकलुभावन वादों के सहारे ट्रम्प ने सत्ता में वापसी की थी, विडंबना यह है कि उन्हीं नीतियों ने आज उनकी लुटिया डुबोने का काम किया। यह जनादेश केवल किसी पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि एक व्यक्ति-केंद्रित और मनमानी शासन-शैली के विरुद्ध जनता का प्रत्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव है। ट्रम्प की इस ऐतिहासिक पराजय की जड़ें उनकी गलत प्राथमिकताओं और मनमाने फैसलों में निहित हैं। शांति और घरेलू समृद्धि का सपना दिखाकर सत्ता में आए ट्रम्प ने विदेश नीति के मोर्चे पर बिना किसी दूरगामी योजना के ईरान के साथ टकराव का जो रास्ता चुना, वह उनके लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। 'अमेरिका फर्स्ट' के नाम पर दुनिया भर पर थोपे गए मनमाने टैरिफ ने दैनिक उपभोग की वस्तुओं को महंगा बनाकर घरेलू अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार की। अब सबसे बड़ा यक्ष-प्रश्न यह है कि क्या इस पराजय से ट्रम्प के स्वभाव, कार्यशैली अथवा राजनीति में कोई सकारात्मक बदलाव आएगा। उनका पुराना इतिहास और कार्यशैली ऐसे किसी बदलाव की उम्मीद को सिरे से खारिज करते हैं। वे मूलतः एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए भी अपने निजी और वित्तीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। चूंकि यह उनका अंतिम कार्यकाल है और उन्हें पुनः चुनाव नहीं लड़ना है, इसलिए उन पर रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य या जनभावनाओं का कोई विशेष दबाव नहीं रहेगा। यह सच है कि दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण ट्रम्प के विधायी एजेंडे के सामने कदम-कदम पर अवरोध खड़े करेगा, लेकिन वे पूरी तरह पंगु नहीं हुए हैं। अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति को व्यापक वीटो अधिकार देता है, जिसे निरस्त करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत डेमोक्रेट्स के पास नहीं है। ऐसे में पूरी आशंका है कि अपनी हार और विधायी अड़चनों से चिढ़े ट्रम्प कार्यकारी आदेशों के जरिए और अधिक मनमानी पर आमादा हो जाएं। घायल अहं के साथ ट्रम्प अमेरिकी लोकतंत्र के भीतर गहरे प्रशासनिक गतिरोध और दुनिया के लिए अप्रत्याशित संकट पैदा कर सकते हैं। इस बदलते राजनीतिक परिदृश्य का प्रभाव भारत पर भी पड़ना स्वाभाविक है। भारत के दृष्टिकोण से संसद में डेमोक्रेट्स का हावी होना एक मिली-जुली तस्वीर पेश करता है। ट्रम्प के अप्रत्याशित और एकतरफा व्यापारिक फैसलों तथा टैरिफ की मनमानी पर अब अमेरिकी कांग्रेस की कड़ी निगरानी रहेगी, जिससे भारतीय निर्यातकों को एक हद तक नीतिगत स्थिरता और राहत मिल सकती है। साथ ही, क्वाड और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को डेमोक्रेट्स का स्वाभाविक समर्थन मिलता रहेगा। किंतु नई दिल्ली को यह भी भली-भांति समझना होगा कि रणनीतिक मुद्दों पर वाशिंगटन के रुख में रातो-रात कोई नरमी नहीं आने वाली। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स का रुख लगभग एक समान है। भारत द्वारा रूस से रियायती कच्चे तेल के आयात पर अमेरिकी दबाव कम होने के आसार नहीं हैं, क्योंकि डेमोक्रेटिक पार्टी रूस पर प्रतिबंधों को और अधिक सख्त करने की पक्षधर रही है। कुल मिलाकर, मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने ट्रम्प के पर कतरने और उनकी बेलगाम सत्ता पर विधायी लगाम लगाने का काम तो कर दिया है, लेकिन इससे वैश्विक राजनीति की अनिश्चितताएं कम नहीं हुई हैं। एक कमजोर और हताश ट्रम्प घरेलू मोर्चे पर जितने उलझेंगे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी खीझ उतनी ही बढ़ सकती है। भारत को आने वाले दिनों में व्हाइट हाउस के साथ-साथ अमेरिकी संसद के नए शक्ति-संतुलन को अत्यंत परिपक्वता, सतर्कता और चतुराई के साथ साधना होगा।

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- प्रतिनिधि सभा और सीनेट में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत हासिल करना स्पष्ट करता है कि अमेरिका की जनता ने ट्रम्प के निरंकुश और आक्रामक तौर-तरीकों को सिरे से खारिज कर दिया है। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के जिस नारे और लोकलुभावन वादों के सहारे ट्रम्प ने सत्ता में वापसी की थी, विडंबना यह है कि उन्हीं नीतियों ने आज उनकी लुटिया डुबोने का काम किया। यह जनादेश केवल किसी पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि एक व्यक्ति-केंद्रित और मनमानी शासन-शैली के विरुद्ध जनता का प्रत्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव है। ट्रम्प की इस ऐतिहासिक पराजय की जड़ें उनकी गलत प्राथमिकताओं और मनमाने फैसलों में निहित हैं। शांति और घरेलू समृद्धि का सपना दिखाकर सत्ता में आए ट्रम्प ने विदेश नीति के मोर्चे पर बिना किसी दूरगामी योजना के ईरान के साथ टकराव का जो रास्ता चुना, वह उनके लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। 'अमेरिका फर्स्ट' के नाम पर दुनिया भर पर थोपे गए मनमाने टैरिफ ने दैनिक उपभोग की वस्तुओं को महंगा बनाकर घरेलू अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार की। अब सबसे बड़ा यक्ष-प्रश्न यह है कि क्या इस पराजय से ट्रम्प के स्वभाव, कार्यशैली अथवा राजनीति में कोई सकारात्मक बदलाव आएगा। उनका पुराना इतिहास और कार्यशैली ऐसे किसी बदलाव की उम्मीद को सिरे से खारिज करते हैं। वे मूलतः एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए भी अपने निजी और वित्तीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। चूंकि यह उनका अंतिम कार्यकाल है और उन्हें पुनः चुनाव नहीं लड़ना है, इसलिए उन पर रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य या जनभावनाओं का कोई विशेष दबाव नहीं रहेगा। यह सच है कि दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण ट्रम्प के विधायी एजेंडे के सामने कदम-कदम पर अवरोध खड़े करेगा, लेकिन वे पूरी तरह पंगु नहीं हुए हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला

विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है। वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन



के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है। किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है। एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो।

देश | दुनिया से

बच्चों की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

आज बच्चों की सुरक्षा का प्रश्न घर की चारदीवारी से लेकर स्कूल, सड़क, सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनिया तक फैला हुआ है। आज बाल सुरक्षा का अर्थ केवल बच्चों को शारीरिक शोषण से बचाना नहीं, बल्कि उन्हें भावनात्मक, सामाजिक और डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित वातावरण देना है। भारत में बच्चों की सुरक्षा के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बच्चों के अधिकारों और विकास को प्रभावित करती हैं। भारत में बच्चों की सुरक्षा के लिए कई कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों को रोकने और उनसे जुड़े मामलों में कार्रवाई का कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकों की देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, 2015 कानून से संघर्षरत बच्चों और देखरेख की जरूरत वाले बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास तथा पुनःसमाजीकरण की व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चों की देखभाल और संरक्षण से जुड़ी सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, 24 घंटे संकट में फंसे बच्चों तक सहायता पहुंचाने के लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा 112 से एकीकृत है। सरकार ने 2025 में मिशन वात्सल्य पोर्टल को भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर हो सके। राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी की लॉबिंग फर्म ने भारत-अमेरिका लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीन पर बच्चों तक पहुंचें।



राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,62,449 मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समय पर सहायता की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ उन परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहार की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। हाल के वर्षों में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर कम उम्र के बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, समूह में किसी बच्चे को निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहार की खबरें चिंता पैदा करती हैं। हालांकि, ऐसी घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि 13 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों में हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ों की जरूरत है। फिर भी, किसी बच्चे का बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्री का संपर्क या साथियों का दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग की भूमिका पर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, एकल परिवारों में माता-पिता बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइल पर अपना समय व्यतीत करते हैं। परंतु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिता की निगरानी के बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चों को कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजन के अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानी के हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहार के लगातार संपर्क में रहना चिंता का विषय हो सकता है। यदि कोई बच्चा गेम में बार-बार हिंसा को समस्या सुलझाने का तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवन में किसी विवाद के दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को उसके व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेम पर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चे को यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में स्वीकार्य नहीं है। उम्र के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम की सीमाएं, ऑनलाइन मित्रों और चैट की निगरानी तथा खुले संवाद से जोखिम कम किया जा सकता है। इस जिम्मेदारी का पहला केंद्र परिवार है। माता-पिता बच्चों के लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं। घर में गाली-गलौज, अपमान, मारपीट या हर समस्या का समाधान गुस्से से करने का तरीका बच्चों पर असर डाल सकता है। बच्चे को सुनना, उसकी भावनाओं को पहचानना, गलती पर शांतिपूर्वक समझाना और हिंसा के बजाय संवाद का रास्ता दिखाना जरूरी है। यदि बच्चा लगातार चिड़चिड़ा, भयभीत, अलग-थलग या आक्रामक हो रहा है, तो उसे दंडित करने से पहले कारण समझने और आवश्यकता पड़ने पर परामर्श लेने की जरूरत है। स्कूलों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में बुलिंग-विरोधी स्पष्ट नीति, संवेदनशील शिक्षक, भरोसेमंद शिकायत व्यवस्था और काउंसलिंग की सुविधा होनी चाहिए। पड़ोस, खेल समूह, मीडिया संस्थान और डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा दें। किसी बच्चे के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की घटना को "बच्चों की आपसी बात" कहकर टालना गलत है। बच्चे को सुरक्षित तरीके से बोलने का अवसर देना और उसकी शिकायत को गंभीरता से लेना समाज का दायित्व है। यह समझना आवश्यक है कि बाल सुरक्षा का अर्थ केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जहां जोखिमों को पहले पहचाना जाए, बच्चों की बात सुनी जाए और उन्हें सहायता मांगने का भरोसा मिले।

आप का | नजरीया

गरीबी उन्मूलन में ऐतिहासिक सफलता

विश्व बैंक की 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' (अक्टूबर 2026) के नवीनतम आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक परिदृश्य के उस ऐतिहासिक मोड़ को रेखांकित करते हैं, जिसकी प्रतीक्षा दशकों से थी। वर्ष 2011 से 2023 के बीच लगभग 49.6 करोड़ नागरिकों का 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठना और अत्यंत गरीबी का 27.1 प्रतिशत से घटकर महज 2.6 प्रतिशत पर सिमट जाना केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबी के खिलाफ लड़ी गई सबसे बड़ी और प्रभावी जंग का साक्षात प्रमाण है। विश्व बैंक ने भी इसे वैश्विक स्तर पर गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में स्थान देकर भारत के विकास मॉडल की प्रामाणिकता पर मुहर लगाई है। इस परिवर्तनकारी यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने गरीबी को केवल मौद्रिक आय के अभाव के रूप में नहीं देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक की आर्थिक नीतियों का केंद्रबिंदु गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और बुनियादी संपत्तियों से लैस करना रहा। जनधन, डिजिटल पहचान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) की पारदर्शी त्रयी ने बिचौलियों की संस्कृति को समाप्त कर सरकारी मदद को सीधे अंतिम व्यक्ति की पहुंच में ला खड़ा किया। आवास योजना का पक्का मकान, उज्ज्वला का धुआं-मुक्त चूल्हा, स्वच्छ भारत के शौचालय, हर घर नल का शुद्ध जल और आयुष्मान भारत का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच, इन सभी ने मिलकर निर्धन परिवारों को गरिमापूर्ण जीवन की ठोस बुनियाद दी। वैश्विक महामारी कोरोना, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, वैश्विक महंगाई और ऊर्जा संकट के बावजूद यदि भारत की अर्थव्यवस्था अडिग रही, तो इसका श्रेय मजबूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर सरकारी पूंजीगत व्यय और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को जाता है। अंतरराष्ट्रीय तुलना के पैमाने पर देखें तो भारत की यह गति अद्वितीय नजर आती है। चीन ने बाजारोन्मुखी सुधारों के बाद लगभग चार दशकों में 77 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला था, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक ढांचे, सामाजिक विविधताओं और सीमित संसाधनों के बीच महज 12 वर्षों में लगभग आधी अरब आबादी को गरीबी की रेखा से ऊपर खींचने का अभूतपूर्व कीर्तिमान रचा। यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया है। जबकि कांग्रेस सरकारों के समय में 'गरीबी हटाओ' अभियान केवल चुनावी नारों तक सीमित था। बहरहाल, अब मोदी सरकार के सामने असली चुनौती इस उपलब्धि को स्थायित्व प्रदान करने की है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की रैंकिंग या वैश्विक आर्थिक कद से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक महानता इस बात से आंकी जाती है कि उसकी विकास यात्रा में कतार का आखिरी व्यक्ति कितना सक्षम, सुरक्षित और सशक्त बना है। गरीबी के अभिशाप से आधी अरब आबादी को मुक्त कराना निसंदेह नए भारत की सशक्त आधारशिला है; अब समय इस नींव पर आर्थिक अवसरों की समानता, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और उत्पादक रोजगार की ऐसी मजबूत इमारत खड़ी करने का है, जिससे विकास का उजाला हर चौखट तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचे।

वर्ष 2011 से 2023 के बीच लगभग 49.6 करोड़ नागरिकों का 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठना और अत्यंत गरीबी का 27.1 प्रतिशत से घटकर महज 2.6 प्रतिशत पर सिमट जाना केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबी के खिलाफ लड़ी गई सबसे बड़ी और प्रभावी जंग का साक्षात प्रमाण है। विश्व बैंक ने भी इसे वैश्विक स्तर पर गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में स्थान देकर भारत के विकास मॉडल की प्रामाणिकता पर मुहर लगाई है। इस परिवर्तनकारी यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने गरीबी को केवल मौद्रिक आय के अभाव के रूप में नहीं देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक की आर्थिक नीतियों का केंद्रबिंदु गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और बुनियादी संपत्तियों से लैस करना रहा। जनधन, डिजिटल पहचान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) की पारदर्शी त्रयी ने बिचौलियों की संस्कृति को समाप्त कर सरकारी मदद को सीधे अंतिम व्यक्ति की पहुंच में ला खड़ा किया। आवास योजना का पक्का मकान, उज्ज्वला का धुआं-मुक्त चूल्हा, स्वच्छ भारत के शौचालय, हर घर नल का शुद्ध जल और आयुष्मान भारत का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच, इन सभी ने मिलकर निर्धन परिवारों को गरिमापूर्ण जीवन की ठोस बुनियाद दी। वैश्विक महामारी कोरोना, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, वैश्विक महंगाई और ऊर्जा संकट के बावजूद यदि भारत की अर्थव्यवस्था अडिग रही, तो इसका श्रेय मजबूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर सरकारी पूंजीगत व्यय और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को जाता है। अंतरराष्ट्रीय तुलना के पैमाने पर देखें तो भारत की यह गति अद्वितीय नजर आती है।

कुछ | अलग

वाकई सत्यजीत

निर्देशक सत्यजीत रे अपने काम के प्रति ईमानदारी और भारतीय स्वाभिमान के लिए जाने जाते थे। उनकी शुरुआती कालजयी फिल्मों में से एक, 'पाथेर पांचाली' जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपार सफलता बटोर रही थी, तब यूरोप के एक प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में उन्हें आमंत्रित किया गया। उन्होंने सत्यजीत रे को सम्मान स्वरूप एक भारी पुरस्कार राशि और पश्चिम में ही बसकर काम करने का एक आकर्षक प्रस्ताव दिया। हालांकि, उस प्रस्ताव में एक शर्त छिपी हुई थी। आयोजकों ने उनसे कहा, 'यदि आप अपनी आगामी फिल्मों की कहानियों में भारतीय ग्रामीण जीवन की गरीबी को थोड़ा और अतिरंजित करके दिखाएंगे, तो पश्चिमी दर्शक इसे और अधिक पसंद करेंगे, जिससे आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़ा बजट मिलेगा।' सत्यजीत रे ने बिना एक क्षण गंवाए उस बड़े प्रस्ताव और पुरस्कार को तुरंत ठुकरा दिया।

दृष्टि | कोण

मौजूदा लोकतंत्र में प्रासंगिक पंचतंत्र की शिक्षाएं

लुटियंस दिल्ली में हुए हालिया घटनाक्रम को याद करते हुए, शिक्षा-शास्त्र के प्राचीन ग्रंथ, पंचतंत्र की ओर ध्यान जाता है। यह हमें इन दिनों दुर्लभ सुकून और समझ प्रदान करता है। पंचतंत्र में पांच चक्र हैं, जो एक रहस्यमयी परतों में गुंथे हैं। इसकी लोकप्रियता कई पाठकों को इसे जानवरों की काल्पनिक कथाओं का संग्रह समझने पर मजबूर करती है, जिसमें जीवन जीने के ढंग सिखाने वाले मूल्य हैं। यह बात कुछ कहानियों के लिए सच हो सकती है, सबके लिए नहीं। इसीलिए कुछ चुनींदा कहानियां बच्चों के लिए बनी मानी जाती हैं। पंचतंत्र की ज़्यादातर कहानियों में एक गहरा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश है जिसकी व्याख्या करना एक चुनौती है। इनका ताना-बाना भी कम महत्वपूर्ण नहीं। इसमें प्रतीकात्मक अर्थों की अनेक परतें हैं, और यही चीज़ कहानियों में है। वे हमें उन अलग-अलग पहलुओं को समझने में मदद करती हैं जिनसे आम लोग राज्य-व्यवस्था से जुड़े महसूस करें। नागरिक अथवा मानवाधिकारों का विचार आने से कहीं पहले लिखे गए 'पंचतंत्र' की बनावट, कहानियां और पात्र हमारी वर्तमान मुश्किलों से बहुत मिलते-जुलते हैं। अधिकार आधुनिक दुनिया में नागरिकता का एक आवश्यक अंग हैं, लेकिन वे अकेले ऐसी धुरी नहीं हैं जिससे नागरिक का राज्य-व्यवस्था से जुड़ाव हो। असल में, दार्शनिक नज़रिए से, राज्य लोगों से ही मिलकर बनता है, और उन्हीं की तरफ़ से राज्य-व्यवस्था के अधिक प्रत्यक्ष पदाधिकारी देश का कामकाज संभालते हैं। हालांकि, जो वोट हमें कभी-



कभार डालना होता है, वह अक्सर हमें राज्य-व्यवस्था और उसके

सोनिया गांधी की किताब ऑपरेशन ब्लू स्टार पर पर्दा डालने की कोशिश : ढिल्लों



चंडीगढ़ (हिंस)। भाजपा पंजाब के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने सोनिया गांधी की नई किताब में इंदिरा गांधी और 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर किए गए दावों को चुनौती देते हुए कहा कि यह 42 साल बाद गांधी परिवार और कांग्रेस के पापों पर पर्दा डालने की एक राजनीतिक चाल है। ढिल्लों ने कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार की फुटेज देखकर इंदिरा गांधी की आंखों में *दर्द और पछतावे के आंसू* आने का सोनिया गांधी का दावा सिख पंथ के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। यदि पछतावा था, तो दशकों तक सच्चाई क्यों छिपाई गई? उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी स्वयं स्वीकार करती हैं कि पंजाब कांग्रेस के गुटों ने आपसी लड़ाई के लिए हालात बिगाड़े, लेकिन इसके बावजूद सैन्य कार्रवाई को *मजबूरी* बताकर परिवार और पार्टी को दोषमुक्त करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि श्री हरमंदिर साहिब और श्री अकाल तख्त साहिब पर टैंकों और तोपों से किए गए हमले तथा नवंबर, 1984 के सिख नरसंहार को केवल *शर्मनाक अध्याय* कहकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। कांग्रेस के *पंजाब मांगता है इंसाफ* अभियान और *इंसाफ यात्रा* (साइकिल यात्रा) पर हमला बोलते हुए ढिल्लों ने कहा कि 1984 में हजारों निर्दोष सिखों के खून से रंगी कांग्रेस के मुंह से पंजाब में *इंसाफ* की बात शोभा नहीं देती। उन्होंने सवाल किया कि 1984 के पीड़ितों को पूर्ण न्याय और कांग्रेस द्वारा अपने गुनाहों के लिए सार्वजनिक माफी मांगे बिना पंजाब में *इंसाफ यात्रा* का क्या अर्थ है? उन्होंने कहा कि दशकों तक कांग्रेस सरकारों ने दोषियों को बचाया और उन्हें क्लीन चिट दी, जबकि 2014 के बाद मोदी सरकार द्वारा गठित एसआईटी के प्रयासों से ही सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजाएं हो सकीं और जगदीश टाइटलर के खिलाफ आरोप तय हो सके। भाजपा अध्यक्ष ने मांग की कि गांधी परिवार और कांग्रेस नेतृत्व को किताबों और यात्राओं के नाटक के बजाय 1984 के पापों के लिए पंजाब और सिख पंथ से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए तथा न्याय में बाधा डालने की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

खड़गे के बयानों में दिख रहा बढ़ती उम्र का असर : मदन राठौड़



जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हिंदू त्योहारों को लेकर दिए गए बयानों और सोनिया गांधी की पुस्तक में संजय गांधी से जुड़े उल्लेख पर प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने खड़गे पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बयानों में बढ़ती उम्र का असर नजर आ रहा है। कभी वे कुछ बोल जाते हैं तो कभी उनकी जुबान लड़खड़ा जाती है। कभी देश के प्रधानमंत्री के पिता को लेकर टिप्पणी करते हैं तो कभी दीपावली की तुलना ईद से करने लगते हैं। राठौड़ ने कहा कि प्रत्येक त्योहार का समाज में अपना अलग महत्व और प्रसंग होता है। त्योहारों की तुलना करने के बजाय संबंधित पर्व के महत्व और उसकी परंपराओं पर बात करनी चाहिए। किसी एक समाज विशेष को खुश करने के लिए त्योहारों की तुलना करना उचित नहीं है। उन्होंने खड़गे के परिवार से जुड़े इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि उनके परिवार ने किन परिस्थितियों और यातनाओं का सामना किया था। उनकी माता, भाई और बहन को किसने जलाकर मार दिया था। इसके बावजूद इस तरह की बयानबाजी करना उचित नहीं है। सोनिया गांधी की पुस्तक में आपातकाल के संदर्भ में संजय गांधी का उल्लेख किए जाने पर राठौड़ ने कहा कि संजय गांधी जब तक जीवित थे, तब तक इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी उनकी व्यवस्था के अनुसार चलते थे। ऐसे में उनके मरणोपरांत उनकी आलोचना करना और उन्हें कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आपातकाल इंदिरा गांधी परिवार का सामूहिक निर्णय था। इसके लिए केवल एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराकर तत्कालीन प्रधानमंत्री को बचाया नहीं जा सकता। राठौड़ ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। उस दौरान लोकतंत्र की हत्या की गई, प्रेस की आजादी छीन ली गई और युवाओं की जबरन नसबंदी करवाई गई। यहां तक कि भारत माता की जय बोलने वालों को भी जेल में बंद कर दिया गया था। कांग्रेस को इन घटनाओं की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि यह कहा जा रहा है कि संजय गांधी परोक्ष रूप से सरकार चला रहे थे तो यह और भी शर्मनाक है। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। यदि सरकार किसी और के प्रभाव में चल रही थी तो इससे इंदिरा गांधी के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े होते हैं। राठौड़ ने कहा कि जिनके नाम और प्रतिष्ठा के सहारे परिवार की राजनीतिक पहचान बनी, मरणोपरांत उनकी आलोचना करना उचित नहीं है।

पंजाब में पीआरटीसी बस पुल से नीचे गिरी, 3 यात्रियों की मौत, 26 घायल

संगरूर (हिंस)। पंजाब के संगरूर जिले में बुधवार तड़के संगरूर से चंडीगढ़ जा रही यात्री पीआरटीसी बस अनियंत्रित होकर पुल की दीवार से टकराने के बाद नीचे खेतों में गिर गई। इस हादसे में दो महिलाओं सहित तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। इनमें से 15 गंभीर घायलों को पटियाला के राजिंदरा अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार पंजाब रोडवेज की बस सुबह करीब 4 बजकर 40 मिनट पर संगरूर से चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई थी। मस्तुआना साहिब के नजदीक पहुंचने पर चालक बस से नियंत्रण खो बैठा। बस पहले पुल की दीवार से टकराई और फिर नीचे उतरकर खेतों में पलट गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को बस से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

ट्रेलर की चपेट में आने से मां-बेटे समेत तीन की मौत

जयपुर (हिंस)। भीलवाड़ा जिले में आसींद-बदनोर राजमार्ग पर बुधवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। परा गांव चौराहे के पास परा बालाजी के निकट तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बदनोर थाना प्रभारी शंभूदयाल मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 158 पर हुए हादसे में बदनोर थाना क्षेत्र के गारियां का खेड़ा निवासी रुकमा देवी (40) पत्नी रायमल गुर्जर, उसके बेटे गोविंद (20) और भांजे रोशन (23) की मौत हो गई। तीनों आसींद से खरीदारी करने के बाद बाइक से पाटन क्षेत्र स्थित अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रेलर जब्त कर लिया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। इस हादसे में मां, बेटे और भांजे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

मोगा की विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा को ईडी का समन, 25 को पूछताछ के लिए बुलाया



चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मोगा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी की विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने उन्हें 25 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने का समन जारी किया है। यह कार्रवाई पिछले सप्ताह विधायक, उनके परिवार और करीबी सहयोगियों से जुड़े सात ठिकानों पर करीब 36 घंटे चली तलाशी के बाद की गई है। ईडी की जांच जून, 2024 में मोगा जिले के धर्मकोट थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुई थी। मामला राष्ट्रीय राजमार्ग 754ए के निर्माण के लिए अधिग्रहित सरकारी और अन्य संस्थाओं की जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में कथित हेरफेर तथा मुआवजे की राशि गलत तरीके से निजी खातों में भेजने से जुड़ा है। ईडी के अनुसार अधरमान गांव में सरकारी जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में कथित बदलाव करके 1 करोड़ 65 हजार 724 रुपए का मुआवजा गलत तरीके से दिलाया गया। यह राशि दिलकुश कुमारी के बैंक खाते में जमा हुई थी, जिसे बाद में फ्रीज कर दिया गया। जांच एजेंसी ने विधायक, उनके पति और सहयोगियों पर कथित रूप से इस राशि के दुरुपयोग में शामिल होने का आरोप लगाया है। ईडी ने मोगा में केंद्र और पंजाब सरकार, नगर निगम, मार्केट कमेटी तथा चर्च ट्रस्ट की जमीनों के कथित अवैध हस्तांतरण की भी जांच शुरू की है। तलाशी के दौरान संदिग्ध बेनामी संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद होने का दावा किया गया है। विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जमीन के रिकॉर्ड में कथित हेरफेर से उनका कोई संबंध नहीं है।

पुत्र की *फ्लॉप राजनीति* से हताश हैं सोनिया गांधी, नीतीश कुमार पर अनर्गल टिप्पणी बर्दाश्त नहीं : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना (हिंस)। बिहार जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा अपनी आत्मकथा में राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को लेकर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने बुधवार को इसे सोनिया गांधी का *राजनीतिक दिवालियापन* करार देते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि बेदाग छवि वाले युगपुरुष नीतीश कुमार को सोनिया गांधी के *राजनीतिक प्रमाणपत्र* की आवश्यकता नहीं है। कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार का चार दशकों से भी अधिक का राजनीतिक और सामाजिक जीवन सादगी, सौम्यता, शालीनता और शुचिता की मिसाल रहा है। लंबे समय तक सत्ता के शीर्ष पर रहने के बावजूद उन पर भ्रष्टाचार का एक आने का भी आरोप नहीं लगा है। इसके विपरीत, सोनिया गांधी का परिवार आज देश में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है। उमेश कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार का राजनीतिक कद इतना विराट और बेदाग है कि उनके व्यक्तित्व पर छींटाकशी करने का नैतिक अधिकार कांग्रेस के किसी भी नेता के पास नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अपने *राजनीतिक वारिस* की बारंबार विफल हो रही *लांचिंग* से सोनिया गांधी भारी कुंठा और बौखलाहट से ग्रस्त हैं। अपनी दलगत विफलताओं और जनाधार-विहीन होते नेतृत्व पर पर्दा डालने के लिए दूसरों पर अनर्गल आरोप गढ़ना अब कांग्रेस की राजनीतिक फितरत बन गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार जैसे युगपुरुष पर अनर्गल टीका-टिप्पणी बिहार और देश की जनता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी और इसका राजनीतिक खामियाजा निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि देश की सबसे पुरानी पार्टी आज राजनीतिक रसातल में जा रही है, तो इसका एकमात्र कारण गांधी परिवार का एकाधिकारवादी रवैया है। देश भर में कांग्रेस का जनाधार पूरी तरह से सिमट चुका है। यदि पार्टी का यही अलोकतांत्रिक और अमर्यादित राजनीतिक आचरण जारी रहा, तो आगामी समय में कांग्रेस केवल इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह जाएगी।

यूपी में 2017 से पहले नियुक्ति आयोग को बंधक बनाए हुए था सैफई सिंडिकेट : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपीएसएससी से राजस्व विभाग के लिए चयनित एक हजार 146 कनिष्ठ सहायकों को बुधवार को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इसके साथ ही कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत चार हजार 300 लाभार्थियों को 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित की। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब प्रतिभा को उसके अनुरूप कार्य नहीं मिलता था तो वह पलायन करती थी। प्रदेश का युवा देश और दुनिया को अपनी मेहनत का लाभ देता था। यूपी विपन्न रहता था। उसके साथ भेदभाव होता था। बिना सिफारिश, बिना लेन-देन कोई नियुक्ति नहीं होती थी। नियुक्ति आयोग बंधक बने थे। एक सिंडीकेट काम करता था जो सैफई सिंडीकेट था। योगी ने कहा कि 2017 के पहले शासन में मुन्ना भाई बैठे थे। नियुक्ति प्रक्रिया में भी ऐसे ही होता था। परीक्षा कोई देता, नियुक्ति पत्र कोई और ले जाता था। शासन में शिकायत करते थे। ये पाप शासन ही करवाता था। फिर आप न्यायालय जाते थे। न्यायालय स्टे करता था। गलत काम करने वाला पैसा लेकर विदेशी बैंकों में जमा कर देता था। उनकी प्रॉपर्टी दुनिया में बढ़ती थी। यूपी का युवा ठगा जाता था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को चलाने के लिए जितने अधिकारियों- कर्मचारियों की जरूरत होती थी, उतने थे ही नहीं। 2017 में मैं गृह विभाग की बैठक ले रहा था। मुझे बताया गया कि उत्तर प्रदेश पुलिस में ही डेढ़ लाख पद खाली हैं। उस समय की सपा सरकार ने दंगाइयों की काल मानी जाने वाली पीएसी बटालियन की 34 कम्पनियां समाप्त कर दी थीं। चार बार के सपा सरकार के कालखंड में 1500 दंगे हुए थे। आपने इस बार देखा होगा कि धनतेरस की बाजारों में चहल-पहल थी। आपने अयोध्या दीपोत्सव देखा होगा, दीपावली मनाई होगी। 2017 के पहले कोई भी त्योहार आता था, होली दीवाली, जन्माष्टमी, गुरुपर्व हो, इनसे पहले दंगे शुरू हो जाते थे। कर्फ्यू लग जाते थे। कर्फ्यू लग जाये तो कौन खरीदारी करेगा। आपने देखा होगा। यूपी में पिछले साढ़े नौ वर्ष में *नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा*।

तेरह नवंबर से जयपुर में गूंजेगा छठ मैया का जयकारा : गलता तीर्थ में होगा मुख्य आयोजन

जयपुर (हिंस)। पांच दिवसीय दीपोत्सव के बाद अब आस्था, सामाजिक समरसता और सूर्योपासना का महापर्व डाला छठ मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अपने गांव और शहर से दूर जयपुर में रह रहे बिहार मूल के प्रवासी समाजबंधुओं के साथ पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह से यह पर्व मनाएंगे। इसके लिए शहर के विभिन्न इलाकों में कृत्रिम जलाशय तैयार किए जा रहे हैं। घाटों की साफ-सफाई और पूजा की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। छठ महापर्व का मुख्य आयोजन गलता तीर्थ में होगा। बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि जयपुर में बिहार मूल के प्रवासियों की बड़ी आबादी रहती है। हर वर्ष की तरह इस बार भी समाज के लोग शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में एकत्र होकर छठ मैया का गुणगान करेंगे और अस्ताचलगामी तथा उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। सुरेश पंडित ने बताया कि जयपुर में गलता तीर्थ, शास्त्री नगर के किशन बाग, दुर्गा विस्तार कॉलोनी, दिल्ली रोड, सांगानेर, प्रताप नगर, मालवीय नगर, मुरलीपुरा, हसनपुर, विश्वकर्मा, जवाहर नगर, आदर्श नगर, 22 गोदाम, करतारपुरा और रॉयल सिटी माचवा सहित कई क्षेत्रों में छठ पूजा होगी। शास्त्री नगर स्थित स्वर्ण जयंती गार्डन के पीछे पुराने किशन बाग में भी आयोजन किया जाएगा। बिहार समाज संगठन की ओर से गलता तीर्थ में मुख्य आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। इसके तहत जलाशय तैयार करने, कुंडों की सफाई और घाटों पर व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं। सुरेश पंडित के अनुसार जयपुर में पांच लाख से अधिक और पूरे राजस्थान में लगभग 30 लाख बिहार मूल के लोग निवास कर रहे हैं। जयपुर में करीब 60 प्रतिशत प्रवासी अपने-अपने क्षेत्रों में समाजबंधुओं के साथ छठ महापर्व मनाएंगे। इससे शहर के विभिन्न इलाकों में पर्व की रौनक दिखाई देगी। बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री चंदन कुमार मंडल ने बताया कि छठ महापर्व महिलाओं के अस्तित्व और सम्मान को प्रतिष्ठित करने वाला पर्व भी है। यह सामाजिक एकता, पारिवारिक सुख-समृद्धि और लोकआस्था का प्रतीक है। छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ होगी। 14 नवंबर को खरना किया जाएगा। 15 नवंबर को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके बाद 16 नवंबर को उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। इसी के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा।

उप्र में 17 लाख से अधिक युवाओं को मिला कौशल प्रशिक्षण, सात लाख को रोजगार



लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को विस्तार, गुणवत्ता, तकनीक और रोजगार से जोड़ने की दिशा में व्यापक बदलाव किए गए हैं। उच्च शिक्षा के संस्थागत विस्तार से लेकर एआई आधारित पढ़ाई, डिजिटल लर्निंग, शोध और कौशल विकास तक सरकार ने बहुआयामी प्रयास किए हैं। इसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश तेजी से उच्च शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। आजादी से वर्ष 2017 तक प्रदेश में मात्र 16 सरकारी विश्वविद्यालय थे। वर्ष 2017 से 2022 के बीच तीन और 2022 के बाद पांच नए सरकारी विश्वविद्यालय स्थापित हुए। एक डीम्ड और एक मुक्त विश्वविद्यालय के साथ सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या 26 हो गई है। इसी अवधि में निजी विश्वविद्यालयों की संख्या भी 26 से बढ़कर 56 पहुंच गई। वर्ष 2022 के बाद अकेले 27 निजी विश्वविद्यालय स्थापित हुए। पहली बार जीएलए और आईआईएमटी के दो ऑफ-कैंपस विश्वविद्यालय केंद्र नोएडा में स्थापित हुए। असेवित जिलों में निजी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहन देने के लिए उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति-2024 लागू की गई। राजकीय महाविद्यालयों की संख्या 158 से बढ़कर 261 हो गई है। वहीं, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की संख्या छह हजार 681 से बढ़कर आठ हजार 030 पहुंच गई है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश के सात संस्थानों को पहली बार एनआईआरएफ रैंकिंग में स्थान मिला और तीन विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुए। पीएम ऊषा के तहत अवस्थापना सुविधाओं, शोध, प्रयोगशालाओं और स्मार्ट क्लास के विकास के लिए केंद्र सरकार से 965 करोड़ रुपए का अनुदान मिला, जो देश में सर्वाधिक है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ 776 समझौते किए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का परिसर ग्रेटर नोएडा में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत सीबीसीएस, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, बहुविषयक शिक्षा और भारतीय ज्ञान प्रणाली लागू की गई है। प्रदेश में 239 विषयों के 88 हजार 532 से अधिक ई-कंटेंट उपलब्ध हैं। राजकीय महाविद्यालयों में 251 स्मार्ट क्लास, 83 से अधिक स्मार्ट लैब और 171 ई-लर्निंग पार्क शुरू किए गए हैं। एआई आधारित शिक्षा को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में सभी 43 पाठ्यक्रमों में एआई आधारित पढ़ाई की व्यवस्था इसका उदाहरण है। वहीं, भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए शोधपीठों की स्थापना और संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से वर्ष 2017-18 के बाद अब तक 17 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है और सात लाख से अधिक को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। मिशन के तहत आयोजित एक हजार 194 वृहद रोजगार मेलों के माध्यम से चार लाख 52 हजार 976 युवाओं का सेवायोजन हुआ है। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता-2025 में एक लाख नौ हजार 249 पंजीकरण के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम रहा। 2026-27 के लिए भी एक लाख सात हजार 464 पंजीकरण के साथ प्रदेश ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। नई तकनीकों और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 82 न्यू एज ट्रेनिंग पार्टनर मिशन से जोड़े गए हैं। आईआईटी रुड़की, एमएनएनआईटी प्रयागराज, ट्रिपल आईटी प्रयागराज और एनआईईएसबीयूडी जैसे संस्थानों के साथ विशेष प्रशिक्षण के लिए अनुबंध किए गए हैं। कौशल दर्पण, कौशल दिशा, कौशल दृष्टि और कौशल दोस्त जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रशिक्षण और निगरानी व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया है। दिव्यांगजन रोजगार अभियानों के माध्यम से तीन हजार 441 दिव्यांगजनों को रोजगार मिला है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शीर्ष पांच प्रतिशत छात्राओं को स्कूटी देने का निर्णय लिया गया है, जिससे करीब 40 हजार छात्राओं को लाभ मिलने का लक्ष्य है।

सांसद और विधायक ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, व्यवस्था दुरुस्त करने का दिया निर्देश

किशनगंज (हिंस)। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर किशनगंज नगर परिषद क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को किशनगंज के सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद एवं विधायक कमरुल होदा ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सांसद और विधायक ने घाटों पर मौजूद नगर परिषद के कर्मियों से तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही जहां भी कमियां और अव्यवस्थाएं नजर आईं, उन्हें छठ पूजा से पहले दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

भाई दूज पर सेंट्रल जेल में उमड़ी बहनों की भीड़ बहनों ने भाइयों की सलामती की मांगी दुआ



जयपुर(हिंस)। भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व भाई दूज बुधवार को जयपुर सेंट्रल जेल में भी पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में बहनें जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने पहुंचीं। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, अच्छे भविष्य और जल्द जेल से बाहर आने की कामना की। बहनों ने भाइयों को उनकी पसंद की मिठाई खिलाकर पर्व की रस्म निभाई। लंबे समय बाद अपनों से मिलकर कई बहनें और भाई भावुक हो गए। जयपुर सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट विल्सन शर्मा ने बताया कि जेल में सामान्य मुलाकात के अलावा रक्षाबंधन और भाई दूज जैसे त्योहार भी पारंपरिक रूप से मनाए जाते हैं। भाई दूज पर बहनों को विशेष व्यवस्था के तहत जेल के अंदर गेट के पास भाइयों से मुलाकात करवाई गई। इस दौरान बहनों ने सलाखों के बाहर से भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और भाई दूज की रस्म पूरी की। जेल प्रशासन की ओर से महिलाओं को अनुशासित तरीके से प्रवेश दिया गया। मुलाकात के दौरान बहनों को अधिकतम एक किलो मिठाई लाने की अनुमति दी गई। सुरक्षा के मद्देनजर जेल परिसर में विशेष इंतजाम किए गए थे। आरएसी और सुरक्षा कर्मियों का अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया। जेल में प्रवेश से पहले महिलाओं की आवश्यक जांच की गई। दूर-दराज से आने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए जेल परिसर के बाहर टेंट, कुर्सियों और पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई। मुलाकात का समय सुबह 8 बजे से शाम 4-30 बजे तक निर्धारित किया गया था। भाई दूज के अवसर पर जयपुर सेंट्रल जेल के बाहर सुबह से ही बहनों की कतारें लगी रहीं। कई बहनें दूर-दराज के इलाकों से अपने भाइयों के लिए उनकी पसंद की मिठाई लेकर पहुंचीं। जेल की चारदीवारी के पीछे भाइयों से मिलने का मौका उनके लिए बेहद खास रहा। बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की सलामती और बेहतर भविष्य की कामना की। वहीं, बहनों के हाथों से मिठाई खाते समय कई बंदी भी भावुक हो गए। कई बहनों के लिए लंबे समय बाद अपने भाइयों से मिलने का अवसर किसी मन्नत के पूरा होने जैसा था। इस दौरान कहीं खुशी तो कहीं अपनों से दूर रहने का दर्द दिखाई दिया।

सामाजिक समरसता और पारस्परिक सद्भाव ही समाज की असली ताकत : नीतीश कुमार

भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा-अर्चना में शामिल हुए नीतीश कुमार



पटना (हिंस)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी, रोड नंबर-12 में आयोजित भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा में शामिल हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान चित्रगुप्त के प्रति श्रद्धा निवेदित की और प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार ने कहा कि सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और पारस्परिक सम्मान किसी भी समाज की बुनियादी ताकत हैं। बिहार की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साझा सामाजिक परंपराओं से रही है। इस विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए समाज के सभी वर्गों के बीच प्रेम, विश्वास और भाईचारे को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करते हैं। सामाजिक समरसता के लिए आयोजित प्रीतिभोज जैसी पहलें जाति और वर्ग के भेद से ऊपर उठकर एक साथ बैठने, सहभागिता और आत्मीयता का संदेश देती हैं। समाज में सद्भाव और सहयोग का वातावरण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों और अन्य गणमान्य लोगों ने नीतीश कुमार का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता एवं विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक कुमार उपस्थित थे।



भाई दूज के दिन फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में भाई दूज के दिन सोने के भाव में कमजोरी नजर आ रही है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह चमकीली धातु भी भाव पर ही कारोबार कर रही है।

कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,120 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रायम्फ की नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित



नई दिल्ली। ट्रायम्फ ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित की। इस मोटरसाइकिल की प्रदर्शन क्षमता और इंजन की प्रतिक्रिया बेहतर होने की उम्मीद है। इस माडल में 798 सीसी का नया तीन-सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। कंपनी ने इस इंजन को अपने मोटो2 रेसिंग कार्यक्रम के अनुभव के आधार पर विकसित किया है। स्ट्रीट ट्रिपल श्रृंखला अपनी स्पोर्टी बनावट और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। नया माडल इसी पहचान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 में इंजन के अलावा फ्रेम में भी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने नया फ्रेम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य मोटरसाइकिल की मजबूती और हैंडलिंग को बेहतर बनाना है। इसके साथ डबल-साइडेड स्विंगआर्म दिया गया है। बाइक में अंडरबेली एग्जास्ट भी मिलता है, जो इसके डिजाइन को आधुनिक और स्पोर्टी रूप देता है। इन बदलावों से मोटरसाइकिल के संतुलन और नियंत्रण में सुधार की उम्मीद है। 798 सीसी का तीन-सिलेंडर इंजन इस माडल की सबसे अहम विशेषता है। हालांकि, कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम पावर, टार्क और अन्य तकनीकी आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके पूरे स्पेसिफिकेशन और फीचर्स की जानकारी 17 नवंबर को साझा किए जाने की बात कही गई है।

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में गिरावट, भारत में नहीं आया बदलाव



मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जमकर गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड 90 डालर प्रति बैरल के बेहद करीब आ गया है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल की औसत कीमतें 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई हैं। वहीं इसके विपरीत डीजल की कीमतों में बढ़त आई है। दूसरी ओर भारत की बात करें तो कीमतों में बदलाव नहीं आया है। आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में पेट्रोल की औसत कीमत जहां 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई है, वहीं डीजल की औसत कीमत 158.73 रुपये से बढ़कर 159.05 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके मुकाबले, भारत में पेट्रोल का औसत रेट लगभग 108 रुपये प्रति लीटर और डीजल का 98.10 रुपये प्रति लीटर है। दुनिया भर के विभिन्न देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी अंतर देखने को मिलता है। वेनेजुएला में एक लीटर डीजल लगभग 40 पैसे और पेट्रोल 3.31 रुपये में उपलब्ध है। लीबिया में 2.21 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे सस्ता पेट्रोल मिलता है। वहीं, हांगकांग में 419.25 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे महंगा पेट्रोल बिकता है, जबकि डीजल 458 रुपये प्रति लीटर है।

विदा की यूबीएक्स इलेक्ट्रिक बाइक जल्द होगी पेश



नई दिल्ली। हीरो मोटोकार्प की इलेक्ट्रिक वाहन श्रृंखला विदा ने यूबीएक्स नाम से नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल अवधारणा प्रदर्शित की। विदा ने इसे नियो-नेकेड डिजाइन में तैयार किया है। इसका लुक आधुनिक और आक्रामक रखा गया है, जिससे यह पारंपरिक इलेक्ट्रिक स्कूटरों से अलग नजर आती है। कंपनी के लिए यह इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में मोटरसाइकिल श्रेणी की ओर बढ़ने का संकेत है। यूबीएक्स कान्सेप्ट में चौड़ा हैंडलबार दिया गया है। इसके साथ हैंडगार्ड और टीएफटी स्क्रीन भी दिखाई गई है। ये डिजाइन तत्व मोटरसाइकिल को स्पोर्टी और आधुनिक रूप देते हैं। चौड़े हैंडलबार से राइडर को बैठने और बाइक नियंत्रित करने में सुविधा मिलने की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, यह अभी एक कान्सेप्ट माडल है और इसके उत्पादन वाले संस्करण में बदलाव हो सकते हैं। विदा ने यूबीएक्स के साथ अपनी अन्य इलेक्ट्रिक अवधारणाएं डर्ट.ई एमएक्स7 और प्रोजेक्ट वीएक्सजेड भी प्रदर्शित कीं। इन माडलों के जरिए कंपनी ने संकेत दिया है कि वह इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के अलग-अलग वर्गों में विस्तार करना चाहती है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि हीरो मोटोकार्प इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को केवल स्कूटर तक सीमित नहीं रखना चाहती। यूबीएक्स की बैटरी क्षमता, मोटर की ताकत, अधिकतम रफ्तार, रेंज और कीमत की जानकारी अभी जारी नहीं की गई है। जानकारों के अनुसार, विदा की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल वर्ष 2027 में बाजार में आ सकती है।

बैंकों के लिए खेती-बाड़ी के लिए दिए ऋण अब बड़ी चुनौती बनते जा रहे

किसानों के कर्ज ने बढ़ाई चिंता, कृषि ऋणों का ऊंचा हुआ एनपीए अनुपात



नई दिल्ली

भारतीय बैंकों के लिए खेती-बाड़ी के लिए दिए गए ऋण अब एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। बैंकों के लिए संपत्ति की गुणवत्ता के मामले में कृषि ऋण एक मुख्य चिंता का विषय बनकर उभर रहा है। जब बैंक किसानों को कृषि ऋण देते हैं, तो वह पैसा बैंकों के लिए एक परिसंपत्ति होता है, क्योंकि बैंकों को उम्मीद होती है कि उन्हें अपना दिया गया पैसा ब्याज के साथ वापस मिलेगा और उनकी अच्छी कमाई होगी। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि क्षेत्र में गैर-निष्पादित आस्तियों का अनुपात 5.1फीसदी है, जो औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों के 1.5फीसदी अनुपात की तुलना में काफी ज्यादा है।

बैंकों द्वारा खेती के लिए दिए गए हर 100 रुपए के ऋण में से करीब 5 रुपए डूबने की कगार पर हैं। इसके मुकाबले, फैक्ट्रियों और बिजनेस को दिए गए हर 100 रुपए में से केवल डेढ़ रुपया ही फंसा हुआ है। यह स्पष्ट संकेत है कि दूसरे क्षेत्रों के मुकाबले खेती के लिए दिया गया पैसा बैंकों को बहुत कम वापस मिल रहा है, जिससे उनकी वित्तीय सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है कृषि ऋणों के लगातार चुनौती बने रहने के कई कारण हैं। साल 2024 से 2026 के बीच देश के कई हिस्सों में कभी भयंकर गर्मी तो कभी बेमौसम भारी बारिश के कारण फसलें बुरी तरह प्रभावित हुईं और खराब हो गईं।

रिपोर्ट के मुताबिक प्राकृतिक आपदाओं ने किसानों की आय पर गहरा असर डाला, जिससे उनके लिए ऋण चुकाना मुश्किल हो गया। साथ ही अलग-अलग राज्यों में चुनावों के दौरान कर्ज माफी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा, जिसने किसानों के मन में ऋण चुकाने की इच्छा को कमजोर किया है। इन सबका नतीजा यह हुआ कि कृषि ऋणों का संकट बढ़ता गया और यह 5.1फीसदी के ऊंचे स्तर पर टिक गया। वहीं, इसके मुकाबले इन्हीं दो सालों में कंपनियों और बिजनेस सेक्टर की कमाई अच्छी रही, जिसके चलते उन्होंने बैंकों से लिया गया पैसा समय पर लौटा दिया। यही वजह है कि उनका एनपीए घटकर महज 1.5फीसदी पर आ गया, जिसे बैंकिंग इतिहास में इन क्षेत्रों का सबसे सुरक्षित और बेहतरीन दौर माना जा रहा है।

यह स्थिति इसलिए एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि अगर यही सिलसिला बना रहा, तो आगे आने वाले समय में बैंक किसानों को पैसा देने में हिचकिचाएंगे। इससे छोटे किसान वापस से गांव के स्थानीय साहूकारों का रुख करेंगे, जो बहुत ऊंची ब्याज दरें वसूलते हैं, जिससे किसान कर्ज के जाल में और भी फंसते जाएंगे। इसके अलावा, बैंकों को होने वाले इस नुकसान की भरपाई वे दूसरे तरीकों से कर सकते हैं, जैसे कि आम जनता के लिए होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें बढ़ा देना या फिक्स्ड डिपाजिट पर मिलने वाला ब्याज घटा देना यानी बैंकों को कृषि ऋणों से होने वाले नुकसान से आम आदमी भी अछूता नहीं रहेगा।

रायल एनफील्ड हिमालयन 750 के जल्द भारत आने की उम्मीद



नई दिल्ली। रायल एनफील्ड की नई हिमालयन 750 बाइक ईआईसीएमए 2026 में प्रमुख आकर्षणों में शामिल रही। इससे इसके वैश्विक बाजार में आने की तैयारी स्पष्ट हो गई है। कंपनी ने इस मोटरसाइकिल के तकनीकी आंकड़े जारी करने के साथ यूरोप में इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। नई हिमालयन 750 को कंपनी की एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला में एक बड़े इंजन वाले माडल के रूप में पेश किया जा रहा है। इसमें 743 सीसी का एयर-आयल कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है। यह इंजन 55 हार्सपावर की अधिकतम ताकत और 63 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। कंपनी ने इसे लंबी दूरी की यात्रा और कठिन रास्तों पर इस्तेमाल के लिए तैयार किया है। मोटरसाइकिल की सीट की ऊंचाई 815 मिलीमीटर रखी गई है, जबकि इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 205 मिलीमीटर है। इसका कुल वजन 224 किलोग्राम बताया गया है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि इसे एडवेंचर टूरिंग की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। हिमालयन 750 में आधुनिक इलेक्ट्रानिक सुविधाएं भी दी गई हैं। इसमें छह-एक्सिस आईएमयू, कार्नरिंग एबीएस और लीन-सेंसिटिव ट्रैक्शन कंट्रोल शामिल हैं। ये तकनीकें बाइक के झुकाव और राइडिंग परिस्थितियों के अनुसार सुरक्षा प्रणालियों को काम करने में मदद करती हैं। इसके अलावा, इसमें चार इंच का टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है, जिस पर राइडर को जरूरी जानकारियां मिलेंगी।

महंगाई का एक और झटका: मदर डेयरी ने दूध के दाम चार रुपये तक बढ़ाए, कब से लागू होंगी नई कीमतें



नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में दूध की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। मदर डेयरी ने दूध की विभिन्न श्रेणियों के दाम दो से चार रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दिए हैं। नई कीमतें गुरुवार, 12 नवंबर से लागू होंगी। इससे आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, दूध खरीदने की लागत बढ़ने के कारण मदर डेयरी ने कीमतों में संशोधन किया है। कंपनी ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध के दाम बढ़ाए थे। उससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया गया था। हालांकि, मदर डेयरी के प्रवक्ता ने कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

फुल क्रीम दूध चार रुपये महंगा - नई दरों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध अब 72 रुपये के बजाय 76 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। वहीं, पैकेट वाले टोंड दूध की कीमत 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। डबल टोंड दूध की कीमत भी दो रुपये बढ़ाई गई है। यह अब 54 रुपये के बजाय 56 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़कर 65 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा खुले वितरण वाले टोंड दूध की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

किसानों से दूध खरीदना हुआ महंगा - सूत्रों ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की कीमत बढ़ गई है। इसके चलते कंपनी ने बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। मदर डेयरी दूध की बिक्री से मिलने वाली कुल राशि का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है।

दिल्ली-एनसीआर में कंपनी रोजाना लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है। इसकी बिक्री अपने आउटलेट, सामान्य खुदरा दुकानों और ई-कामर्स प्लेटफार्म के जरिए होती है। कुल मिलाकर कंपनी की दैनिक दूध बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है।

घरेलू बजट और खाद्य महंगाई पर पड़ सकता है असर - महज छह महीने में दूध की कीमतों में दूसरी बार बढ़ोतरी होने से घरेलू बजट प्रभावित हो सकता है। दूध रोजमर्रा की जरूरत का सामान है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से उपभोक्ताओं का मासिक खर्च बढ़ सकता है। इससे खाद्य महंगाई पर भी दबाव पड़ने की आशंका है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ के मुताबिक, सितंबर में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई थी।

इटालजेट कर रही स्कूटर श्रृंखला के कई माडल उतारने की तैयारी



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इटालजेट कंपनी ने अपनी ड्रैगस्टर स्कूटर श्रृंखला के कई माडल उतारने की तैयारी कर रही है। इटली की दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी इटालजेट दिसंबर के पहले सप्ताह में आयोजित होने वाले इंडिया बाइक वीक के दौरान मोटोहाउस इंडिया के माध्यम से भारतीय बाजार में अपनी शुरुआत कर सकती है। कंपनी अपने अलग और स्पोर्टी डिजाइन वाले स्कूटरों के लिए जानी जाती है। ऐसे में इसकी एंट्री से प्रीमियम स्कूटर बाजार में नए विकल्प जुड़ सकते हैं। ड्रैगस्टर 300 में 278 सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह 23.8 हार्सपावर की ताकत और 26 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। इसे शहरी आवागमन के लिए एक शक्तिशाली विकल्प के रूप में पेश किया जा सकता है। इसके बाद ड्रैगस्टर 459 का स्थान है, जिसमें 449 सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन मिलता है। यह इंजन 47.58 हार्सपावर और 41 न्यूटन मीटर का टार्क देता है। इस माडल की एक खासियत सेमी-आटोमैटिक छह-स्पीड गियरबाक्स है। श्रृंखला का सबसे शक्तिशाली माडल ड्रैगस्टर 700 है। इसमें 698 सीसी का ट्विन-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 68 हार्सपावर की ताकत और 70 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। तीनों माडलों में इंजन क्षमता और प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग विकल्प मिलेंगे।

बल्क ड्रग उत्पादन को मिलेगा 7000 करोड़ का नया बूस्टर डोज

योजना में आरएंडडी, मौजूदा संयंत्रों को प्रोत्साहन और लचीली प्रोत्साहन दरें शामिल



नई दिल्ली

देश में दवाओं के मुख्य रासायनिक घटकों (बल्क-ड्रग) के उत्पादन को अभूतपूर्व बढ़ावा देने के लिए सरकार 7,000 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसका लक्ष्य भारत को इन महत्वपूर्ण घटकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना और आयात पर निर्भरता को कम करना है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं संवेदनशील बनी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना में से 5,000 करोड़ रुपये उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) के लिए आवंटित किए जाएंगे, जबकि शेष 2,000 करोड़ रुपये अनुसंधान एवं विकास (आरऐंडडी), साझा बुनियादी ढांचे और पूंजीगत सब्सिडी पर खर्च होंगे। यह योजना 52 अणु समूहों या मालिक्यूल सेट पर केंद्रित होगी, जिसमें 300 से अधिक मध्यवर्ती और अनुगामी सक्रिय दवा तत्त्व (एपीआई) की मूल्य श्रृंखला शामिल होगी। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, यह नए निवेश के साथ-साथ मौजूदा विनिर्माण इकाइयों को भी अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देगी, और सभी छह प्रोत्साहन वर्षों के लिए एक समान उत्पादन प्रोत्साहन दर लागू होगी। प्रस्तावित योजना में आठ वर्ष की खर्च समय-सीमा की परिकल्पना की गई है, जो मौजूदा योजना के छह वर्षों से अधिक है। यह लंबी अवधि निर्माताओं को उत्पादन में होने वाले उतार-चढ़ाव को संभालने और अधिक लचीलापन प्रदान करेगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह व्यापक योजना दीर्घकालिक क्षमता निर्माण, आरऐंडडी और शिक्षा जगत तथा उद्योग के बीच साझेदारी पर अधिक जोर देगी, जैसा कि केंद्रीय दवा सचिव ने पहले भी संकेत दिया था। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब मौजूदा बल्क-ड्रग पीएलआई योजना ने निवेश तो आकर्षित किया है, लेकिन उत्पादन में बदलने और प्रोत्साहन राशि बांटने में चुनौतियों का सामना कर रही है। इन चुनौतियों में चीन से कड़ा प्रतिस्पर्धी दबाव, बुनियादी सुविधाओं और कच्चे माल की ऊंची लागत, तथा पूरी मूल्य श्रृंखला का ठीक से न जुड़ा होना शामिल है। प्रस्तावित एकीकृत ढांचा इन कमियों को दूर करने का प्रयास करेगा, जिसमें विनिर्माण प्रोत्साहन के साथ-साथ तकनीक के विकास और बुनियादी ढांचे का सहयोग भी शामिल किया जाएगा। विशेष रूप से, किण्वन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का एक विशेष आरएंडडी कोष भी बनाया गया है, जिससे घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्द्धी क्षमता मजबूत होगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान महंगाई के ऊंचे आंकड़ों के कारण गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है, जिसमें ज्यादातर प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी भी सुबह अच्छी बढ़त दिखा रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट पर बिकवाली का दबाव रहा। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहे। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा अगले महीने ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने और सख्त रुख अपनाने की चिंता बढ़ गई। इस दबाव के कारण डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 157.86 अंक यानी 0.30 प्रतिशत गिर कर 52,231.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स भी 29.01 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,520.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 187.26 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 25,065.87 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स सुबह फिलहाल 103.09 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,334.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख बना रहा। फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 77.20 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज करते हुए 8,310.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स भी 80.26 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ



26,347.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत, ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में बिकवाली का दबाव रहा, जिसके चलते यह सूचकांक 31.28 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,751.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन मिले-जुले संकेतों के बीच एशियाई बाजार में भी मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से छह के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। वहीं, तीन सूचकांक दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी सुबह 106.50 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,435 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ताइवान स्टाक एक्सचेंज पर जबरदस्त तेजी देखी जा रही है, जहां ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,130.10 अंक यानी 2.65 प्रतिशत उछल कर 43,842.02 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी जोरदार मजबूती का माहौल है। यह सूचकांक फिलहाल 109.43 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की छलांग लगा कर 5,348.56 अंक के स्तर पर आ गया है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स भी 667.42 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,127 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।



भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, रविंद्र, डफी, कानवे और ब्लंडेल की वापसी

वेलिंगटन

भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में जैकब डफी, रचिन रविंद्र, डेवोन कानवे और टाम ब्लंडेल की वापसी हुई है।

रविंद्र, कानवे, और ब्लंडेल चोट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। रचिन रविंद्र को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया था, जिसके कारण वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहे। वहीं, डेवोन कानवे शुरुआती वनडे से पहले लगी चोट के बाद उससे उबर रहे थे, जबकि टाम ब्लंडेल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान थे।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट सीरीज हराने वाली न्यूजीलैंड टीम से बेन सीयर्स, जैक फाल्क्स और विल ओरूर्क को बाहर रखा गया है। सीयर्स टखने और फाल्क्स कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि ओरूर्क वापसी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के बीच में ही संन्यास ले लिया था। टाम लैथम की कप्तानी वाली टीम में जैकब डफी की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के नए बल्लेबाजी कोच बीएल वाटलिंग के कार्यकाल की भी शुरुआत होगी। वह 16 नवंबर से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, यह सीरीज ब्लैककैप्स के लिए टेस्ट क्रिकेट के एक रोमांचक घरेलू सत्र की शुरुआत है। टीम लगभग वही है, जिसने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में मुकाबला किया था। ऐसे में दोबारा एक साथ खेलने और घरेलू मैदान पर उस सफलता को दोहराने की कोशिश करना अच्छा रहेगा।

उन्होंने कहा, मार्च तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले जाने हैं, इसलिए टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए मुकाबलों की कोई कमी नहीं होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक दांव पर होंगे, लेकिन हमारा ध्यान भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर रहेगा। न्यूजीलैंड की टीम फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड दिसंबर-जनवरी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीमः टाम लैथम (कप्तान), टाम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कानवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

स्टार्क ने ख्वाजा के दावों को गलत करार दिया, खिलाड़ियों में तल्खी बढ़ी



सिडनी। पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा सैंडपेपरगेट (गेंद से छेड़छाड़) विवाद के मामले में किये दावों को लेकर अलग-थलग पड़ते जा रहे है। एक के बाद कई दिग्गज क्रिकेटरों ने ख्वाजा के दावों को गलत बताया है। ख्वाजा ने अपनी एक किताब में कहा था कि सभी को इस मामले की जानकारी थी पर तीन खिलाड़ियों को बलि का बकरा बना दिया गय था। वहीं अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है ख्वाजा अपनी किताब की बिक्री के लिए आधारहीन बातें का रहे है। इसी कड़ी में पूर्व बल्लेबाज डेरेन लेहमान के बाद अब तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें ख्वाजा ने कहा था कि 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपरगेट विवाद के बारे में पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। स्टार्क ने कहा है कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए अपने संयुक्त बयान पर बरकरार हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी थी। स्टार्क ने ख्वाजा के इन दावों पर ज्यादा ध्यान न देने की बात कही, लेकिन स्पष्ट किया कि समय के साथ उनकी राय में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं।

प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन के कारण कोच कैरिक को हटा सकता है मैनचेस्टर यूनाइटेड

लंदन। प्रीमियर लीग फुटबाल में मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबाल क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम



के मुख्य कोच माइकल कैरिक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। क्लब प्रबंधन प्रीमियर लीग में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके विकल्प की तलाश में है, जिसने टीम रेलीगेशन जोन में आ गयी है लगातार खराब परिणामों के चलते कैरिक के कार्यकाल पर सवाल उठने लगे है। पिछले सप्ताहांत एस्टन विला के साथ 4-4 के ड्रा के बाद, मैनचेस्टर 18वें स्थान पर खिसक गया है, जो सबसे निचले क्लब क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक ऊपर है। यह स्थिति पिछले नाटिंघम फारेस्ट द्वारा मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 की जीत के बाद और भी गंभीर हो गई, जिसने यूनाइटेड को सीधे रेलीगेशन के खतरे में डाल दिया। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के अनुसार कोच को हटाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है पर कहा जा रहा है कि संकेत मिलने लगे हैं। वहीं इस मामले की एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित प्रतिस्थापन पर काम शुरू हो चुका है और लिवरपूल के खिलाफ 13 दिनों में होने वाले अहम मुकाबले से पहले ही बदलाव किया जा सकता है। कैरिक के भविष्य पर अंतिम फैसला क्लब के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ और बहुमत के मालिक ग्लेजर परिवार की मंजूरी के बाद ही होगा।

पांड्या को ट्रेड , बोल्ट को रिलीज कर सकती है मुंबई इंडियंस : चोपड़ा

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) के

2027 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की टीम में संभावित बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके तहत ही आलराउंडर हार्दिक पांड्या का ट्रेड किया जा सकता है। पांड्या की कप्तानी में पिछले दो सत्रों में टीम को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके साथ ही उनका निजी योगदान भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। उन्होंने साथ ही पिछले सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को टीम से रिलीज करने के मुंबई इंडियंस के निर्णय का भी समर्थन किया। चोपड़ा ने कहा कि मुंबई इंडियंस के पास अनुभव और आक्रामक खेल का शानदार मिश्रण है, जिससे उनकी टीम काफी संतुलित दिखती है। उनके मुताबिक, अगर पिछला आईपीएल सीजन टीम की अपेक्षाओं के अनुरूप होता, तो शायद उन्हें किसी बड़े बदलाव की जरूरत महसूस नहीं होती। हालांकि, उन्होंने पांड्या के संभावित ट्रेड को एक महत्वपूर्ण कारक बताया, जो खिलाड़ियों को रिटेन या रिलीज करने संबंधी टीम के फैसलों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है। चोपड़ा ने कहा, अगर पिछले सीजन में सब कुछ योजना के मुताबिक होता, तो टीम को देखकर यही लगता कि बदलाव की क्या जरूरत है उनके पास संतुलन, अनुभव और आक्रामक खिलाड़ी हैं। तो फिर बदलाव क्यों शायद उन्हें एक-दो भारतीय स्पिनर या तेज गेंदबाज की जरूरत होती, जिसे वे आसानी से ढूँढ लेते। पर अभी सबसे ज्यादा चर्चा पांड्या के ट्रेड की हो रही है। उन्होंने संकेत दिया कि हार्दिक जैसे दुर्लभ खिलाड़ी के बदले में मुंबई इंडियंस को शायद दो अन्य उपयोगी खिलाड़ी मिल सकते हैं, जिससे टीम की गहराई और बढ़ सकती है।

लास एंजिलिस ओलंपिक 2028 : एथलेटिक्स में लागू होगी दोहरी क्वालिफिकेशन प्रणाली

नई दिल्ली

लास एंजिलिस में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए एथलेटिक्स की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया का ऐलान कर दिया गया है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एथलेटिक्स स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की एंट्री के लिए दोहरी क्वालिफिकेशन प्रणाली को मंजूरी दी है। इसके तहत ओलंपिक में उपलब्ध कुल कोटा स्थानों में से 40 प्रतिशत जगहें एंट्री स्टैंडर्ड हासिल करने वाले एथलीटों को मिलेंगी, जबकि शेष 60 प्रतिशत स्थान वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल की ओर से मंजूर इस व्यवस्था में क्वालिफिकेशन के मानकों, समय-सीमा और अलग-अलग स्पर्धाओं के कोटा स्थानों का विवरण जारी किया गया है। ओलंपिक 2028 में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं 15 से 30 जुलाई 2028 तक आयोजित होंगी।



एथलेटिक्स में होंगे 48 इवेंट्स, मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले की होगी शुरुआत

लास एंजिलिस ओलंपिक के एथलेटिक्स कार्यक्रम में कुल 48 स्पर्धाएं शामिल होंगी। इनमें पुरुषों के 23, महिलाओं के 23 और दो मिक्स्ड इवेंट्स होंगे। इस बार ओलंपिक में मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले को भी शामिल किया जाएगा। यह स्पर्धा पहले से मौजूद मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले के साथ एथलेटिक्स कार्यक्रम का हिस्सा बनेगी।

एंट्री स्टैंडर्ड हासिल करना ही ओलंपिक टिकट की गारंटी नहीं

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित एंट्री स्टैंडर्ड हासिल कर लेने भर से किसी एथलीट का ओलंपिक में स्थान पक्का नहीं होगा। यदि किसी स्पर्धा में तय मानक पूरा करने वाले खिलाड़ियों की संख्या उपलब्ध कोटा स्थानों से अधिक होती है, तो क्वालिफिकेशन अवधि के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को ही प्राथमिकता मिलेगी। ऐसी स्थिति में वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर अतिरिक्त खिलाड़ियों को उस स्पर्धा में जगह नहीं दी जाएगी। यानी खिलाड़ियों को ओलंपिक में जगह बनाने के लिए निर्धारित मानक के साथ-साथ अन्य दावेदारों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी करना होगा।

अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए तय की गई क्वालिफिकेशन अवधि

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए क्वालिफिकेशन विंडो निर्धारित की है। इसका विवरण इस प्रकार है:

मैराथन: 1 नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2028 तक।

10,000 मीटर, कंबाइंड इवेंट्स, रेस वाक और रिले: 19 दिसंबर 2026 से 18 जून 2028 तक।

अन्य सभी ट्रैक और फील्ड इवेंट्स: 19 जून 2027 से 18 जून 2028 तक।

100 और 200 मीटर के लिए कड़े क्वालिफाइंग मानक

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने ट्रैक स्पर्धाओं के लिए भी एंट्री स्टैंडर्ड जारी कर दिए हैं। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए 9.93 सेकंड का समय निर्धारित किया गया है, जबकि महिलाओं की 100 मीटर दौड़ के लिए 10.96 सेकंड का मानक रखा गया है। इसी तरह पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के लिए 19.95 सेकंड और महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के लिए 22.25 सेकंड का समय तय किया गया है। मैराथन में पुरुष एथलीटों को 2 घंटे 5 मिनट और महिलाओं को 2 घंटे 22 मिनट 20 सेकंड का समय हासिल करना होगा।

मैराथन और रेस वाक में इन प्रतियोगिताओं से भी मिलेगा टिकट

मैराथन स्पर्धा के लिए 19 मार्च 2028 तक की क्वालिफिकेशन सूची में शीर्ष 56 स्थान हासिल करने वाले एथलीटों को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई माना जाएगा। इसके अलावा 9 अप्रैल 2028 को चीन में आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स रेस वाकिंग टीम चैंपियनशिप में हाफ मैराथन और रेस वाकिंग स्पर्धाओं में शीर्ष 12 स्थान हासिल करने वाले एथलीटों को भी सीधे ओलंपिक क्वालिफिकेशन मिलेगा।

रिले टीमों को क्वालीफाई करने के मिलेंगे दो मौके

रिले स्पर्धाओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। 22 और 23 अप्रैल 2028 को बहामास में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले प्रतियोगिता के जरिए शीर्ष 14 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां (एनओसी) लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए अपना स्थान पक्का करेंगी। इस प्रतियोगिता में टीमों को क्वालीफाई करने के दो मौके दिए जाएंगे। यदि कोई टीम पहले दिन सफल नहीं हो पाती है, तो उसके पास दूसरे दिन भी ओलंपिक टिकट हासिल करने का अवसर रहेगा।

सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्ले अब मुंबई क्रिकेट संग्रहालय में होंगे प्रदर्शित

मुंबई

भारतीय क्रिकेट की विरासत को सहेजने और खेल के इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने करियर के कुछ सबसे खास बल्ले और यादगार वस्तुएं मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 100 शतक लगाए थे। इन सभी वस्तुओं को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस विशेष संग्रह का अनावरण 16 नवंबर 2026 को एक समारोह में होगा।

यह तारीख सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के 13 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। उन्होंने 16 नवंबर 2013 को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। इस अवसर पर संग्रहालय में पहली बार अपनी तरह की एक विशेष प्रदर्शनी बैटोग्राफी शुरू की जाएगी। इसमें तेंदुलकर के करियर के 26 बल्लों के साथ उनसे जुड़ी कई महत्वपूर्ण यादगार वस्तुएं प्रदर्शित होंगी। बैटोग्राफी नाम जीवनी की अवधारणा से प्रेरित है। इसके माध्यम से मास्टर ब्लास्टर के क्रिकेट सफर को उन बल्लों की कहानी के जरिये प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनके करियर के ऐतिहासिक और यादगार पलों के साक्षी रहे हैं। प्रत्येक बल्ला उनके शानदार करियर के एक खास अध्याय को दर्शाएगा। इससे क्रिकेट प्रेमियों को उनके रिकार्ड और उपलब्धियों के पीछे की कहानी को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

इस पहल पर मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा,



'बैटोग्राफी' के जरिये दिखेगा मास्टर ब्लास्टर का क्रिकेट सफर, 16 नवंबर को होगा अनावरण

सचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके बनाए रिकार्ड से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों की यादों में रचा-बसा है और ये बल्ले उस सफर की सबसे व्यक्तिगत धरोहरों में शामिल हैं। बैटोग्राफी के माध्यम से हम एमसीए संग्रहालय में एक अनूठा आयाम जोड़ रहे हैं। इससे आगंतुक उन उपलब्धियों के पीछे की कहानी को उन्हीं साधनों के जरिये अनुभव कर सकेंगे, जिनसे वे उपलब्धियां हासिल की गईं। हम सचिन के आभारी हैं कि उन्होंने अपनी इन बेशकीमती धरोहरों को एमसीए के साथ साझा करने का निर्णय लिया। इससे यह असाधारण विरासत आने वाली पीढ़ियों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी सुलभ बनी रहेगी।

बल्लों के अलावा सचिन के करियर के महत्वपूर्ण अवसरों और उपलब्धियों से जुड़ी कई अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। इनमें हेलमेट, जर्सी, नोट्स सहित अन्य संग्रहणीय वस्तुएं शामिल हैं। संग्रहालय में इसके लिए एक विशेष स्थान तैयार किया गया है, जो तेंदुलकर के असाधारण क्रिकेट सफर को समर्पित होगा। इस प्रदर्शनी के जरिये प्रशंसक उनके करियर के ऐतिहासिक पलों, उपलब्धियों और यादों को फिर से करीब से देख सकेंगे।

हरियाणा के मैदानों जैसे लगते हैं न्यूजीलैंड के मैदान : अंशुल कंबोज



हैम्लटन। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज न्यूजीलैंड के अपने पहले ही दौरे में खासे सफल रहे है। उन्हें खेलना मेजबान बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा है। अंशुल ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि न्यूजीलैंड के हालात हरियाणा के मैदानों से मेल खाते हैं। यहां का ठंडा मौसम वैसा ही लगता है जैसे की वह हरियाणा में सर्दियों में अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हों। इस क्रिकेटर ने 13 साल की उम्र से ही लाहली में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। आकलैंड के ईडन पार्क और वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व की उछाल भरी पिचों पर पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अंशुल का सामना कीवी बल्लेबाज कर नहीं पाये। उन्होंने पहले बदलाव के रूप में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को अपनी सटीक लाइन और लेंथ से खूब परेशान किया। कंबोज ने पहले मैच में 22 रन देकर दो और दूसरे मैच मे 25 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जो उनकी गेंदबाजी की धार को दिखाते हैं। कंबोज ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था।

पाकिस्तान ने अगले डब्ल्यूटीसी चक्र पर ध्यान देने युवाओं को शामिल किया: बाबर

चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत, यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। टेस्ट प्रारूप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। यहां तक कि टीम मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो चुकी है। ऐसे में अब पाक टीम ने भविष्य की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के कप्तान बाबर आजम ने भी माना है कि डब्ल्यूटीसी चक्र में पाक की टीम काफी पीछे है और उसे केवल एक जीत मिली है। इससे वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। इससे उसकी फाइनल की उम्मीदें लगभग पूरी तरह से समप्त हो गयी हैं।



इसी को देखते हुए पाक टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिससे अगले चक्र के लिए एक मजबूत टेस्ट इकाई तैयार की जा सके। बाबर ने साफ कर दिया है कि टीम का ध्यान अब पूरी तरह से अगले डब्ल्यूटीसी चक्र पर केंद्रित है। इसी को देखते हुए श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज शुरू की गयी है। उन्होंने बताया कि घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आधे दर्जन से अधिक नए और युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह दी गई है। टीम प्रबंधन भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है, ताकि आने वाले समय में एक संतुलित और प्रभावी टेस्ट टीम का निर्माण किया जा सके। कप्तान ने जोर देकर कहा, पाकिस्तान इस साल डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है। इसलिए अब टीम का ध्यान अगले चक्र पर है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पुरानी बातों पर चर्चा करने के बजाय उनसे महत्वपूर्ण सबक लेने का समय है, ताकि उन गलतियों को दोहराया न जा सके। नए खिलाड़ियों को यह समझाया जाएगा कि टीम किस तरह का आक्रामक, सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना चाहती है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच एक मजबूत तालमेल बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और टीम को अगले स्तर तक ले जाने का पूरा अवसर मिल सके। इस नई रणनीति के तहत, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन एक मजबूत नींव रखने और आने वाले वर्षों के लिए एक स्थिर और सफल टेस्ट इकाई बनाने की उम्मीद कर रहा है। इसका अर्थ केवल जीतना नहीं है, बल्कि देश और विदेश दोनों जगह लगातार अच्छा प्रदर्शन करना, दबाव में बेहतर निर्णय लेना और खेल के तीनों विभागों में परिपक्वता दिखाना है। यह परिवर्तन केवल खिलाड़ियों को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खेल के प्रति मानसिकता और दृष्टिकोण में एक मौलिक बदलाव भी शामिल है। अगले कुछ महीनों में टीम का प्रदर्शन यह तय करेगा कि क्या यह नई दिशा पाकिस्तान क्रिकेट को टेस्ट प्रारूप में उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा वापस दिलाने में सफल होगी।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः लिंडा नोस्कोवा ने कोको गाफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

इंडियन वेल्स

विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गाफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गाफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गाफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।

उन्होंने कहा, कोको के खिलाफ आखिरी अंक तक खेलना होता है, क्योंकि वह अपनी सर्विस और संघर्ष करने की क्षमता से किसी भी समय वापसी कर सकती हैं। मुझे लगा कि मैंने उन पर दबाव बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया।

नोस्कोवा ने अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में यूक्रेन की कोस्त्युक को भी हराया था।

पेगुला ने कोस्त्युक को हराकर उम्मीदें रखीं कायम

दूसरी ओर, अमेरिका की जेसिका



पेगुला ने उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में कोस्त्युक को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार के साथ कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी के लिए कोको गाफ और पेगुला के बीच मुकाबला होगा।

पेगुला को अपने शुरुआती मुकाबले में गाफ के हाथों हार मिली थी। लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कोस्त्युक को मात दी।

जीत के बाद पेगुला ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। कोको के खिलाफ मेरा मुकाबला काफी उच्च स्तर का था और आज का मैच भी शानदार रहा।

कोस्त्युक की खेल शैली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, उनके खिलाफ खेलना काफी मुश्किल है, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगले पल क्या होने वाला है। वह अचानक तेज शाट खेलने लगती हैं, नेट पर आ जाती हैं, रिटर्न पर आक्रामक हो जाती हैं या उनकी सर्विस शानदार होने लगती है। यही वजह है कि उनके खिलाफ खेलना कठिन होता है।

दूसरे सेट में पेगुला ने दिखाया धैर्य

32 वर्षीय पेगुला ने पहले सेट में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले और सातवें गेम में कोस्त्युक की सर्विस तोड़कर सेट 6-2 से जीत लिया।

दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक हो गया। शुरुआत में लगातार चार बार सर्विस ब्रेक हुईं। इसके बाद कोस्त्युक ने अपनी सर्विस बचाते हुए 3-2 की बढ़त बना ली। अगले गेम में यूक्रेनी खिलाड़ी के पास पेगुला की सर्विस तोड़ने का मौका था, लेकिन वह ब्रेक प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सकीं। पेगुला ने सर्विस बचाकर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद अगले चार गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी। निर्णायक मोड़ 11वें गेम में आया, जब पेगुला ने कोस्त्युक की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने चौथे ब्रेक प्वाइंट पर सफलता हासिल करते हुए 6-5 की बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस बचाकर मुकाबला जीत लिया। कोस्त्युक के फोरहैंड शाट के कोर्ट से बाहर जाने के साथ ही पेगुला की जीत पक्की हो गई।

विंटर फैशन में फर का बोलबाला...

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, फैशन का अंदाज भी बदलने लगता है। सर्दियों में गर्म कपड़ों की जरूरत तो पड़ती ही है। लेकिन मॉडर्न युग में गर्म कपड़े जरूरत के अलावा फैशन के तौर पर भी खरीदे जाते हैं। तभी तो रैंप पर भी मॉडल्स गर्म कपड़ों में अपने हॉट अंदाज का जलवा बिखेरती हुई नजर आती हैं। जहां तक बात फर ड्रेस की है तो यह हर साल ही फैशन में इन रहते हैं। फैशन डिजाइनर्स का भी मोह इनसे कभी नहीं टूटता। तभी तो इस साल भी कोट से लेकर स्टोल्स आदि में फर का प्रयोग भरपूर देखने को मिला। फर कोट तो हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसका मुख्य कारण है इनका गर्म होने के साथ-साथ स्टाइलिश होना। लेकिन इस बार फर कोट डिफरेंट वैरायटी व लेंथ में मौजूद हैं। फर कोट्स में मिंक कोट से लेकर फॉक्स फर कोट, लेदर कोट विद फर, लॉन्ग कोट विद फर कॉलर, ओवरसाइज फर कोट फैशन में इन हैं। वैसे इसके अतिरिक्त इस सर्दी में पैचवर्क भी फैशन में बना हुआ है। इसलिए कोट्स में पैचवर्क को विद फर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देखने में बेहद स्टाइलिश व आकर्षक लगता है। अगर आपको पूरी तरह फर पहनना पसंद नहीं है तो आप अपने लुक में फर का हल्का सा टच भी दे सकती हैं। मसलन, फर के स्टोल्स भी इस साल ट्रेंड में बने हुए हैं। इससे आप अपने लुक में एक नया निखार ला सकती हैं। साथ ही फर स्टोल्स को डिफरेंट तरीके से कैरी करके हर दिन एक नया लुक पा सकती हैं। इसके अतिरिक्त आजकल ड्रेसेज के सिर्फ कफ्स को आकर्षक बनाने के लिए उनमें फर का प्रयोग किया जा रहा है। इससे आपकी ड्रेस में फर का हल्का सा टच आ जाएगा। वैसे आप चाहें तो फर का प्रयोग बतौर एक्सेसरीज भी कर सकती है। इनमें फर बैग्स व बूट्स पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।आजकल मार्केट में फर आईटम्स लगभग हर कलर में अवेलेबल हैं। जहां तक बात फर स्टोल्स की है तो आप इनमें सिंगल कलर से लेकर ड्यूल शेड, मल्टीकलर, प्रिंटेड व स्ट्राइप्स इत्यादि पैटर्न आसानी से खरीद सकती हैं।



पॉप कलर्स के वूलन्स..



विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

फ्लाइट में कान दर्द से बचें...

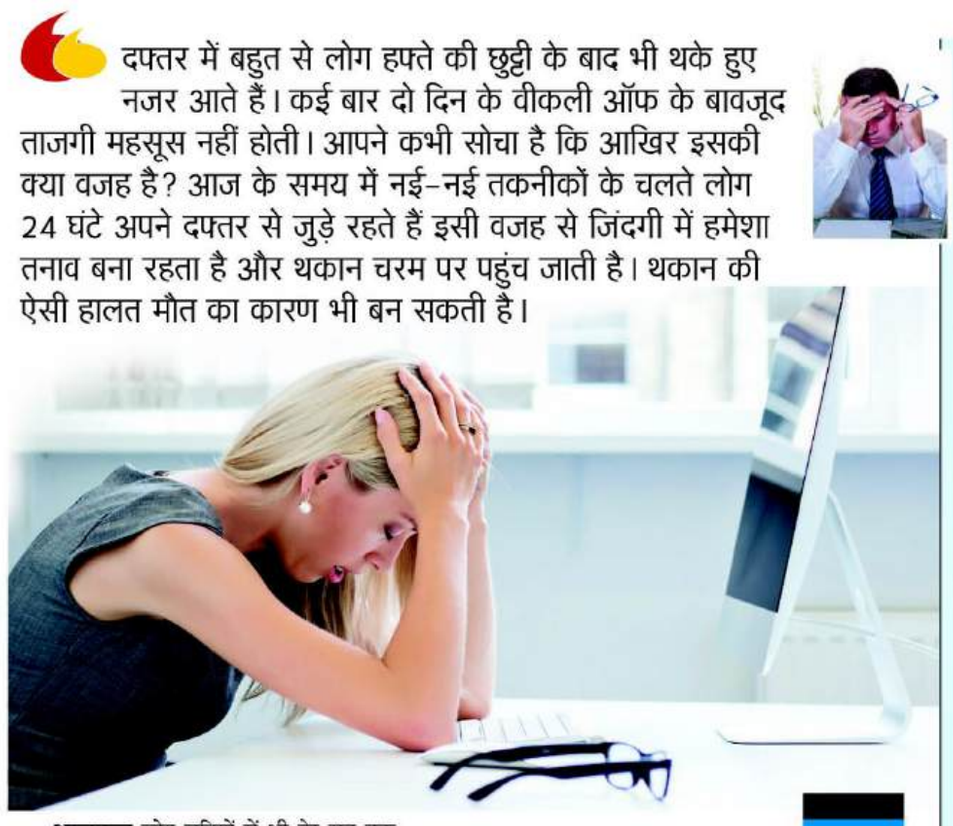


आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक अनुभव होता है। असमान के दबावों के कारण प्रायः कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दे में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए कुछ तरीके हैं। नाक से ध्वनि यानी ब्लोइंग निकालें। कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है। हवाई यात्रा के दौरान अगर कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा। फ्लाइट से उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

इस तरह न बैठें...



हर किसी के बैठने का तरीका अलग होता है। वैसे ज्यादातर लोग पैर क्रॉस करके बैठते है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैर क्रॉस करके बैठना हमें बीमार बना सकता है। इस पोजीशन में बैठने से ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शरीर में खून का प्रवाह पैरों से ही दिल की तरफ होता है। पैर क्रॉस करके बैठने से खून को दिल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। इससे पैरालिसिस भी हो सकता है। जब हम पैर क्रॉस करके बैठते है तो पैरीनील नर्व पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां सुन्न हो जाती हैं। ज्यादा समय तक पैर क्रॉस करके बैठने से रीढ़ की हड्डी में परेशानी हो सकती है। नसों में सूजन भी हो सकती है। नसों को नुकसान पहुंचता है और वे कमजोर हो जाती हैं।



दफ्तर में बहुत से लोग हफ्ते की छुट्टी के बाद भी थके हुए नजर आते हैं। कई बार दो दिन के वीकली ऑफ के बावजूद ताजगी महसूस नहीं होती। आपने कभी सोचा है कि आखिर इसकी क्या वजह है? आज के समय में नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है और थकान चरम पर पहुंच जाती है। थकान की ऐसी हालत मौत का कारण भी बन सकती है।

थकान से मौत...?

आजकल लोग छुट्टियों में भी देर रात तक फोन पर लगे रहते हैं। ऑफिस की ई-मेल पढ़ते हैं। घर पर रहते हुए भी कॉन्फ्रेंस कॉल निपटाते हैं। कुल मिलाकर छुट्टी के दिन भी लोग दफ्तर की जिम्मेदारियों को सिर पर सवार रखते हैं। ऐसे में जब वे दो दिन की छुट्टी के बाद दफ्तर आते हैं तो तरोताजा लगने के बजाय थके हुए नजर आते हैं। ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए अपने छुट्टी के दिन को भी कुर्बान करने को तैयार रहते हैं।

तो कुछ के लिए छुट्टी के दिन भी कंपनी का काम करना मजबूरी होती है। आज नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है। यह तनाव और थकान मौत का कारण भी बन सकती है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेस के मुताबिक, काम के तनाव के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हर साल 300 अरब डॉलर का नुकसान होता है। ऑनलाइन ट्रैवेल कंपनी एक्सपेडिया के मुताबिक उसके केवल आधे कर्मचारी साप्ताहिक छुट्टी के बाद ताजगी के साथ दफ्तर आते हैं।





सैटरडे सिंड्रोम

ब्रिटेन में 'सैटरडे सिंड्रोम' की बड़ी चर्चा होती है, जब लोग अपने खाली वक्त में बीमार पड़ जाते हैं। वहीं अमेरिका में हफ्ते में साठ घंटे काम करने का चलन तनाव बढ़ा रहा है। लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। जापान में तो काम के बोझ के चलते मौत के लिए नया शब्द ही ईजाद कर लिया गया है-करोशी, यानी थकान से मौत। लोगों को हर वक्त फेसबुक स्टेटस या इंस्टाग्राम पर फोटो अपडेट करना होता है। यूं लगता है कि ऐसा नहीं किया तो मानों जिंदगी में कुछ नहीं किया। वैसे कुछ थके हुए लोगों के साथ कुछ ऐसे भी होते हैं जो छुट्टी के बाद एकदम तरोताजा नजर आते हैं। इनमें से कई तो ऐसे होते हैं जिनके ऊपर काम का बोझ ज्यादा होता है। आखिर क्यों कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं तो कुछ लोग ज्यादा काम होने पर भी ताजादम नजर आते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब लोग दफ्तर का तनाव घर ले जाते हैं तो यह आपके दिमाग को एक्टिव रखता है। उन बातों पर उसका ध्यान लगा रहता है, जिनसे आप दफ्तर में जूझते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं।



सब कुछ सोच पर निर्भर

बहुत दिनों से इस बात की तुलना की जा रही है कि जो लोग वीकेंड पर भी दफ्तर का काम निपटाते हैं और जो लोग छुट्टियों में पूरी तरह काम से दूर रहते हैं, उनमें क्या फर्क होता है? मगर इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दो लोग अलग हालात में अलग तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। असल में सब कुछ हमारी सोच, हमारे दिमाग में होता है। जो लोग पॉजिटिव सोच वाले होते हैं उनके लिए घर पर भी दफ्तर का काम थकाने वाला नहीं होता। वहीं जो लोग नेगेटिव सोच वाले होते हैं, उनके लिए हर जगह, हर काम उबाऊ और थकाने वाला होता है। ये लोग छुट्टियों के दिन भी थकान उतारने में नाकाम रहते हैं। फिर दफ्तर लौटते हैं तो थके हुए नजर आते हैं। तनाव से निपटने का तरीका भी अलग-अलग हो सकता है।

लंबे समय से थकान

लंबे समय तक थकान से परेशान लोगों को न आसानी से नींद आती है और न ही आराम मिलता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया भर में 30 से 45 आयु वर्ग के कामकाजी लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। दो हफ्ते से अधिक की थकान की अनदेखी न करें ऐसी स्थिति में जीवनशैली में बदलाव करने की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। ऐसा नही होने पर इंसानी शरीर पर कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों से घिरने की आशंका बढ जाती है। स्टडी के अनुसार लंबे समय तक थकान महसूस होने से शरीर का रोग प्रतिरोधी सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में थकान से पीड़ित व्यक्ति अनचाहे रोगो का शिकार भी हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही थकान को क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम या सीएफएस का नाम दिया गया है। इसके मामले कुछ सालों में इतने बढ़ गए हैं कि बीते साल यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन ने इस पर लंबी रिपोर्ट पेश करते हुए इसको सिस्टेमेटिक एक्जरशन इनटॉलरेंस डिजीज का नया नाम दिया। सीएफएस के लक्षण कुछ इस तरह के हो सकते है। जैसे रुक रुक कर सिर दर्द होना, मांस पेशियों और जोड़ों में दर्द होना और मांसपेशियों में कमजोरी आना, मूड स्विंग होना और नींद ना आना जैसे लक्षण सामान्य होते हैं।

मन की थकान

कुछ लोग अपने जीवन में नित नई ऊर्जा भरते जाते हैं, आगे बढ़ते जाते हैं, तो कुछ लोग लगातार थकते जाते हैं और एक दिन इतना थक जाते हैं कि उनके जीवन से आनंद का रस ही खत्म हो जाता है। उन्हें किसी काम में मजा ही नहीं आता। यहां तक की उन्हें कोई नई बात कह भर दी जाए, तो वो आगबबूला हो जाते है। इसकी वजह है शरीर की थकान से भी खतरनाक मन की थकान। मन की यह थकान इतनी खतरनाक है कि उसके बाद सिवाय अवसाद के और कुछ जीवन में नहीं रह जाता। यह दुनिया वही है, लोग वहीं हैं, कुदरत वही है, लेकिन इसके बावजूद हमारे भीतर बहुत कुछ बदल रहा है। यह बदलाव यदि सकारात्मक है तो हम जीवन के उच्चतम स्तर को पाएंगे और इसके उलट यह बदलाव यदि नकारात्मक है तो एक दिन हम मन की थकान के उस आखिरी स्तर पर पहुंच जाएंगे जिसे अवसाद कहते हैं।

माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिक कहते है कि कई बार थकान उतारने में भी लोग खीझ उठते हैं। उन्हें लगता है कि कितने दिनों से उन्होंने ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट ही नहीं चेक किया। इससे भी उनका तनाव बढ़ सकता है। यानी कुछ लोगों के लिए खाली बैठना भी तनाव को दावत देने जैसा है। तो उन्हें कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। जैसे कि योग या ध्यान करें। किसी खेल-कूद में मन लगाएं। दौड़ने ही निकल जाएं या जाकर पास के पार्क में टहलें। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। चीजों और माहौल को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाना, तनाव कम करने के लिए बहुत जरूरी है। सोच में बदलाव लाने में थोड़ा वक्त लगता है। तीन से छह महीने भी लग सकते हैं। तब तक आप अपने आप को बदलने की कोशिश जारी रखिए। और हां, दफ्तर जाना मत छोड़िए क्योंकि रोज की दिनचर्या के साथ बदलाव आएगा तो ही वह स्थायी होगा। आपको तय करना है कि आप किस रास्ते चल रहे है और सच पूछिए तो इसे आप ही जान सकते हैं। दरअसल, आप क्या कर रहे हैं से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप किसी काम को किस मनोभाव के साथ कर रहे हैं।

स्क्रैच कार्ड से कैंसर का खतरा...



अगर आप अपना मोबाइल रिचार्ज करने के लिए प्रीपेड कार्ड का उपयोग करते हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि स्क्रैच कार्ड के लेप में मौजूद भारी धातुओं के शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा है। मोबाइल फोन के प्रीपेड ग्राहकों के लिए मोबाइल रिचार्ज करने का सबसे आसान तरीका प्रीपेड कार्ड है। यही वजह है कि तमाम लोग अपने पास इमरजेंसी के लिए प्रीपेड कार्ड रखते हैं। जैसे ही उनका बैलेंस खत्म होता है, तो वे प्रीपेड कार्ड को स्क्रैच करके अपने मोबाइल को रिचार्ज कर लेते हैं। हालांकि यह तरीका बेहद आसान है, लेकिन पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि कार्ड स्क्रैच करने से लोग कैंसर के शिकार हो सकते हैं।

खतरनाक धातुएं



असल में प्रीपेड रिचार्ज कूपन का स्क्रैचिंग एरिया सिल्वर नाइट्रिक ऑक्साइड से कोटेड होता है। साथ ही, कोटिंग सामग्री में कैडमियम और एल्युमिनियम भी होता है। ज्यादातर लोग रिचार्ज कार्ड को नाखून की मदद से ही स्क्रैच करते है। ऐसे में, कोटिंग सामग्री में मौजूद तमाम खतरनाक धातुएं नाखून में जमा हो जाती हैं। इसके बाद जब भी लोग खाना खाते हैं, तो नाखून में मौजूद ये कोटिंग सामग्री खाने के साथ या फिर स्मॉल बॉडी वेसेल्स के जरिए सीधे शरीर में पहुंच जाते हैं।

डीएनए को नुकसान

आजकल कई परीक्षाओं में भी विद्यार्थी अपने प्रश्नपत्रा या कॉपी नंबर को स्क्रैच करते हैं। इसके अलावा, आजकल कई कंपनियां अपने उत्पाद के साथ फ्री गिफ्ट वाले स्क्रैच कार्ड भी देती हैं। इन सभी लोगों के कैंसर का शिकार होने का खतरा काफी ज्यादा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रैच कोटिंग में पाए जाने वाले रसायन शरीर में जाने के बाद डीएनए को क्षतिग्रस्त कर देता है। थोड़े समय बाद शरीर में कैंसर एजेंट कार्सिनोजेन विकसित हो जाता है। इस वजह से ब्लैडर कैंसर, लिवर कैंसर या ब्लड कैंसर होने की आशंका रहती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस कैंसर का पता बहुत बाद में पता लगता है।

ग्लैडर कैंसर

डॉक्टर मानते हैं कि भारी धातुओं की वजह से ग्लैडर कैंसर के मरीज बहुत देखने में आते हैं। इस तरह का कैंसर बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसका पता काफी देर से चलता है। इसके डायग्नोसिस के लिए बायोप्सी का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा खून की जांच, पेशाब की जांच, इंडोस्कोपी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की मदद से भी इसका टेस्ट किया जाता है।

ऐसे बचें

कैंसर के खतरों से बचने के लिए बेहतर है कि कार्ड स्क्रैच करने के लिए हाथों जगह कोई दूसरी ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए। अगर हाथों से स्क्रैच कर रहे हैं तो तुरंत अपने हाथ साफ करें। बेहतर होगा कि मोबाइल में रिचार्ज कराने के लिए ई रिचार्ज या फिर इंटरनेट रिचार्जिंग की सुविधाएं अपनाएं।



फोन तोड़ने में हम सबसे आगे...

मोबाइल फोन उपयोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन फोन तोड़ने के मामले में भारत ने सबको पीछे छोड़ दिया है। भारत में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों में लगभग दो तिहाई लोग अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इसमें भी रोचक तथ्य यह है कि भारत में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा मोबाइल फोन ज्यादा गिराती हैं। एक सर्वे के मुताबिक गिरकर खराब हुए मोबाइल फोन में 58 फीसदी मामले महिलाओं द्वारा फोन गिराने के रहे हैं।

आठ माह में ही टूटे फोन

एक ताजा सर्वे के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के स्मार्टफोन की स्क्रीन अमूमन स्मार्टफोन खरीदने के आठ महीने के अंदर टूट जाते हैं। यात्रा करते समय, भीड़ से भरी ट्रेन या बस में चढ़ते या उतरते समय, कई काम एकसाथ करते समय, सेल्फी लेते समय अक्सर मोबाइल गिरकर टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। गेजेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सुरक्षा कंपनी 'आनसाइटगो' ने बीते एक साल के दौरान मरम्मत के लिए आए 4,000 से अधिक स्मार्टफोन के खराब होने के पीछे के कारणों का विश्लेषण किया। सर्वे के अनुसार, सेल्फी लेते समय फोन गिरने की घटना सर्वाधिक होती है और इसमें शायद ही किसी को यह मानने में परेशानी हो कि महिलाएं सेल्फी की दीवानी अधिक होती हैं।



जागरूकता की कोशिश

वास्तव में यह सर्वे मोबाइल फोन के प्रयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तथा मोबाइल को टूटने से बचाने के लिए किया गया। अगर लोगों को समझाया जाए कि मोबाइल फोन कौन सी स्थिति में टूट सकता है तो वे उन परिस्थितियों में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं। सर्वे में पाया गया कि मरम्मत के लिए आए सर्वाधिक स्मार्टफोन में स्क्रीन टूटने की समस्या रही। मोबाइल फोन की स्क्रीन गिरने से टूटती है। गोरिल्ला ग्लास जैसे अत्याधुनिक तकनीक और टेम्पर्ड ग्लास के उपयोग से स्क्रीन खराब होने का खतरा कम होता है फिर भी इससे पूर्ण सुरक्षा नहीं मिलती।



टूटे फोन का इस्तेमाल

सर्वे से मिले कुछ रोचक तथ्यों पर गौर करें तो 36 प्रतिशत भारतीय फोन की स्क्रीन के टूटने के बाद भी या उंगली कटने के बावजूद उसका प्रयोग करते रहते हैं। 37 प्रतिशत भारतीयों के मुताबिक मरम्मत का खर्च सर्वाधिक है। 50 प्रतिशत भारतीय तो अपनी ही गलती से मोबाइल खराब करते हैं। विश्वभर में 50 फीसदी से भी ज्यादा लोग अब तक कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। भारत में 65 फीसदी से भी ज्यादा मोबाइल फोन उपभोक्ता कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इस मामले में सबसे अच्छा रिकॉर्ड यूएस का है। यहां औसतन 34 फीसदी लोग अब तक कम से कम एक बार स्क्रीन तोड़ चुके हैं। 42 फीसदी लोग ऐसे हैं जो मोबाइल की स्क्रीन टूटने के बाद उसका रिपेयर कराते हैं। परंतु 23 फीसदी ऐसे लोग हैं जो टूटी स्क्रीन के साथ ही फोन का उपयोग करते हैं।

सेल्फी से संबंध

खास बात यह कही जा सकती है कि विश्वभर में सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ने का औसत 7 फीसदी है। जबकि इस मामले में भारत वैश्विक औसत से लगभग ढाई गुना आगे है। भारत में 17 फीसदी मोबाइल उपभोक्त ऐसे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी अपलोड करने के क्रम में फोन तोड़ डाला। इससे पता चलता है कि भारत में सेल्फी का शौक किस कदर भारी पड़ा है। इस मामले में ब्राजील सबसे पीछे है वहां मात्र 3 फीसदी लोगों ने ही सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ा है। विश्वभर में 7 फीसदी ऐसे लोग हैं जिनका फोन सेल्फी लेने के दौरान गिरकर टूट गया है। वहीं 5 फीसदी ऐसे हैं जिनका फोन उस वक्त गिर कर टूटा जब वे किसी को दे रहे थे या किसी से फोन ले रहे थे। 32 फीसदी केस में लोगों के फोन पॉकेट से गिर कर टूट जाते हैं जबकि 27 फीसदी लोगों के फोन लेकर उठने-बैठने के दौरन गिर कर टूट जाते हैं।



शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।



प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**